महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

ईश्वर सिर्फ मिलाने का काम करता हैं, संबंधों में नजदीकियाँ या दुरियाँ बढ़ाने का काम व्यक्ति स्वयं करता हैं

वर्ष : 16 अंक : 203 | उज्जैन, शुक्रवार 2 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

अगर सिस्टम गलत होता तो..., जोमैटो और ब्लिंकिट पर हुए रिकॉर्ड ऑर्डर डिलीवर तो बोले दीपेंद्र गोयल

नई दिल्ली/ जीएनएस। जोमैटो और ब्लिंकिट के फाउंडर और सीईओ दीपेंद्र गोयल ने गुरुवार को कहा कि पिछले कुछ दिनों से हड़ताल की धमकियों के बावजूद, डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और ब्लिंकिट ने नए साल की पूर्व संध्या पर रिकॉर्ड डिलीवरी की है। उन्होंने कहा कि 75 लाख से ज्यादा रिकॉर्ड ऑर्डर डिलीवर किए गए। उन्होंने डिलीवरी पार्टनर्स का आभार व्यक्त किया जिन्होंने धमकियों के बावजूद काम किया, डटे रहे और ईमानदार काम और तरक्की को चुना। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा, सभी के लिए एक बात- अगर कोई सिस्टम असल में गलत होता तो वह लगातार इतने सारे लोगों को अपनी ओर आकर्षित नहीं करता और उन्हें अपने साथ बनाए नहीं रखता, जो उसमें काम करना चुनते हैं। कृपया निहित स्वार्थों द्वारा फैलाई जा रही बातों में न फंसें। गोयल ने कहा कि गिग इकॉनमी भारत के सबसे बड़े ऑर्गनाइज्ड जॉब क्रिएशन इंजन में से एक के रूप में उभरी है, जिसका असली असर समय के साथ दिखेगा। उन्होंने कहा, जब डिलीवरी पार्टनर्स के बच्चे, स्टेबल इनकम और शिक्षा की मदद से वर्कफोर्स में शामिल होंगे और बड़े पैमाने पर हमारे देश को बदलने में मदद करेंगे। नंबर्स की बात करें तो उन्होंने कहा कि काम पर आने वाले लोगों की संख्या कम नहीं थी- दोनों प्लेटफॉर्म पर 4.5 लाख से ज्यादा डिलीवरी पार्टनर्स ने दिन भर में 63 लाख से ज्यादा कस्टमर्स को 75 लाख से ज्यादा ऑर्डर (अब तक का सबसे ज्यादा) डिलीवर किए। यह सब डिलीवरी पार्टनर्स को बिना किसी एक्स्ट्रा इंसेंटिव के हुआ। उन्होंने आगे कहा कि इन सब में लोकल लॉ एनफोर्समेंट से मिले सपोर्ट ने मुट्ठी भर बदमाशों को काबू में रखने में मदद की। इस हफ्ते की शुरुआत में गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन ने पूरे भारत में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के अधिकारों, भलाई और सम्मान को लेकर अपनी मांगों को मनवाने के लिए 31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया था।

अरावली को नष्ट किया तो पीढ़ियों को भुगतना होगा खामियाजा, मोहन भागवत की दो टूक

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि अरावली को नष्ट किया तो पीढ़ियों को इसका खामियाजा भुगतना होगा। स्पष्ट किया कि विकास जरूरी है, लेकिन वह प्रकृति को साथ लेकर ही टिकाऊ हो सकता है। एम्स रायपुर में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दुनिया आज तक ऐसा विकास माडल नहीं बना पाई है, जिसमें पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हो सके। डॉ. भागवत ने कहा कि अरावली पहाड़ियां केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण संतुलन की रीढ़ हैं। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की जरूरत पर जोर दिया। कहा कि अब समय आ गया है कि प्रकृति और विकास को टकराव की जगह समानांतर रास्ते पर चलाया जाए। ऐसी योजनाएं बनाई जाएं जिससे प्राकृतिक संसाधनों को किसी तरह का नुकसान न हो और विकास भी होता रहे। युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि रोजगार, करियर और आधुनिक सुविधाएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनके साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है। जीवनशैली और नीतियों, दोनों स्तर पर बदलाव की जरूरत है। तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन गुरुवार को युवाओं में बढ़ते अकेलेपन और नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि परिवारों में संवाद और भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा, तो युवा गलत रास्तों की ओर नहीं जाएंगे। युवाओं से अपील की कि वे छोटे-छोटे फैसलों से पर्यावरण संरक्षण और समाज निर्माण की बड़ी शुरुआत करें। बता दें कि केंद्र सरकार की सिफारिशों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की जिस परिभाषा को स्वीकार किया था, उसके अनुसार आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर (328 फीट) ऊंचे जमीन के हिस्से को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। पर्यावरणविदों का कहना था कि सिर्फ ऊंचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाजा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अरावली पहाड़ियों की परिभाषा से जुड़े अपने ही फैसले पर रोक लगा दी है। 29 दिसंबर 2025 को, सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को स्थगित कर दिया और एक नई हाई-पावर कमिटी गठित करने का निर्देश दिया, जो अरावली रेंज का सर्वे करेगी और इसकी सही परिभाषा तय करेगी।

परमार्थ और देशभक्ति का भाव हो हम सभी में : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युवाओं को किताबी ज्ञान से ज्यादा जरूरी व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीव मात्र का समग्र कल्याण ही मानवता का पहला लक्ष्य है। जियो और जीने दो हमारे जीवन का शाश्वत दर्शन है। हमारे यहां नैतिक शिक्षा, राष्ट्रभक्ति और संस्कारयुक्त जीवन पद्धति की एक लंबी परम्परा रही है। यह हम भारतीयों का स्व-अनुशासन ही है, जिससे भारत आज विश्व की महाशक्ति के रूप में तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब उस भारतीय मातृ सत्तात्मक संस्कृति के संवाहक है, जहां माताओं और बहनों को देवी के रूप में पूजा जाता है। हमारे यहां बच्चा-बच्चा भी भारत माता की जय बोलकर राष्ट्रमाता को सम्मान देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को गुजरात के राजकोट जिले के प्रांसला के समीप उपलेटा में श्री वैदिक मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 26वें राष्ट्रकथा शिविर को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिविर में सहभागिता कर ट्रस्ट के गुजरात के प्रमुख व महान विचारक स्वामी धर्मबंधु जी महाराज का आशीर्वाद लिया और कहा कि हम सभी को अपने जीवन में हमेशा अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए। पूज्य स्वामी जी ने हम सबको नई जीवन दृष्टि दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किताबी ज्ञान से व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान बेहतर है और हमारी युवा पीढ़ी को उनकी असीम शक्तियों का भान कराना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नेकी, परमार्थ और राष्ट्रभक्ति का सहज भाव शरीर में रक्त की तरह हम सभी में प्रवाहमान होना चाहिए। वसुधैव कुटुम्बकम हमारी संस्कृति का जीवोमूल लक्ष्य है और हमें इसी दिशा में और भी मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्री सोमनाथ धाम भी शामिल है। देश में सनातन संस्कृति की धारा सभी क्षेत्रों में बह रही है। राष्ट्रकथा शिविर में स्वामीजी ने देश के विभिन्न प्रांतों से शामिल हुई युवा शक्ति को राष्ट्र के विकास के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश फिर से विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गुरु की महिमा को देखेंगे तो गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर लेकर जाते हैं। भारत ने हजारों वर्षों से दुनिया को विश्व बंधुत्व का संदेश दिया है। भारतीय परिवारों में मां का अपना अलग ही स्थान होता है। मां ही हम सभी की पहली गुरु होती हैं। दुनिया में सभी देश अपनी गौरवशाली संस्कृति पर गर्व करते हैं, लेकिन अन्य किसी भी देश में मातृ संस्कृति का आधार देखने को नहीं मिलता।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोविड के समय जब दुनिया की जनता त्राहिमाम कर रही थी, तब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी संकल्प शक्ति के बल पर कठिन समय में महामारी का सामना किया। हमने स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए संयमित जीवन शैली अपनाई और गांव, गली, मोहल्लों, कस्बों को भी सुरक्षित रखते हुए पूरी दुनिया को भी इस इससे उबारा। कोविड वैक्सीन बनाकर भारत ने 40 से अधिक देशों को यह वैक्सीन भेजी और वहां के लोगों की जान भी बचाई। हमें अपनी इसी परोपकारी संस्कृति पर गर्व है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। यह सही है कि किताबी ज्ञान से अंकसूची और मेरिट लिस्ट में पहचान बन सकती है, लेकिन केवल कागजी डिग्री से काम नहीं चलता है। हमारे लिए पढ़ाई केवल नौकरी पाना नहीं है, बल्कि इससे इतर बच्चों का नैतिक और संस्कारयुक्त समग्र विकास करना है। हमारे नागरिकों में स्वाभाविक रूप से स्व-अनुशासन का भाव है। दुनिया के कई देशों में लोगों को नियंत्रित करने के लिए केवल दंड व्यवस्था है, जहां हर 10 में से एक सैनिक या पुलिसकर्मी समाज को कंट्रोल करता है, लेकिन हम ऐसे समाज के लोग हैं कि जहां पुलिस का काम नहीं पड़ता है और 100-100 गांवों को एक ही पुलिसकर्मी संभालता है। उन्होंने कहा कि 145 करोड़ आबादी के इस देश में तीनों सेना और पुलिस मिलाकर सुरक्षाकर्मियों की संख्या मात्र 40 लाख है। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्रों में से एक हैं। हमारे सैनिक मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में जान की बाजी लगाकर देश और देशवासियों की रक्षा करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के बाद अब भारत ही दुनिया का वह तीसरा देश है, जो हर तरीके से अपनी सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करने की क्षमता रखता है। इस शिविर के जरिए भारतीय युवाओं में देशभक्ति का भाव जगाने का जो पुनीत काम किया जा रहा है, जो निःसंदेह स्वागत योग्य और अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अंग्रेजी कैलेंडर के आधार पर साल का पहला दिन है। हमारा नया साल तो गुड़ी पड़वा से शुरू होता है। उन्होंने कहा कि हर जीवित व्यक्ति 24 घंटे में 21 हजार 500 बार सांस लेता है और 1 लाख कोशिकाओं के मरने पर एक दिन का जीवन मिलता है। ऐसे में बाबा महाकाल ने सबको जो जीवन दिया है, वह हमें परमार्थ और मानवता की सेवा में समर्पित करना चाहिए।

बंगाल भाजपा में चर्चा का विषय बनी, बीएल संतोष की खामोश उपस्थिति

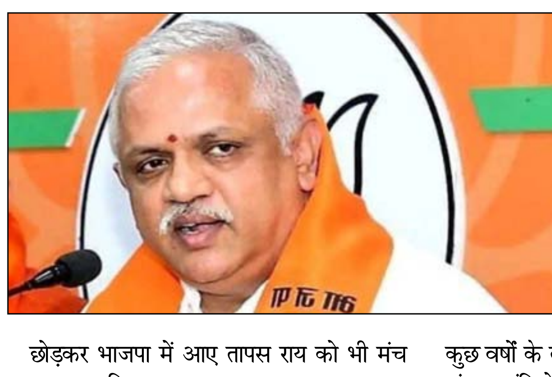

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया कोलकाता यात्रा के बाद बंगाल भाजपा के भीतर असली चर्चा उनके भाषणों से ज्यादा एक 'खामोश' लेकिन बेहद अर्थपूर्ण दृश्य को लेकर है।

साइंस सिटी सभागार में आयोजित 'महानगर कार्यकर्ता सम्मेलन' के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष का मंच पर न होकर दर्शक दीर्घा में बैठना पार्टी गलियारों में कौतूहल और अटकलों का विषय बना हुआ है। संगठन में बेहद प्रभावशाली माने जाने वाले संतोष की यह भूमिका कई नेताओं के लिए अप्रत्याशित थी।

मंच पर दिग्गज, दर्शकों में संगठन का शीर्ष चेहरा- सम्मेलन में अमित शाह मुख्य वक्ता थे और मंच पर प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, मंगल पांडे सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। यहां तक कि हाल में तृणमूल छोड़कर भाजपा में आए तापस राय को भी मंच पर स्थान मिला।

इसके उलट, बीएल संतोष ने राज्य संगठन महासचिव अमिताभ चक्रवर्ती और संयुक्त महासचिव सतीश ढोंड के साथ दूसरी कतार में बैठना चुना। हैरानी की बात यह रही कि राज्य भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को उनके सार्वजनिक सम्मेलन में मौजूद होने की जानकारी तक नहीं थी।

परंपरा की वापसी या बदली हुई रणनीति- पार्टी सूत्रों के अनुसार, वैचारिक रूप से भाजपा में संगठन मंत्रियों का सार्वजनिक राजनीतिक मंचों से दूरी बनाए रखना पुरानी परंपरा रही है। उनका दायित्व पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत करना माना जाता है।

हालांकि, बंगाल में पिछले कुछ वर्षों के दौरान यह परंपरा कई बार टूटी और संगठन मंत्रियों को मोदी-शाह की सभाओं में मंच साझा करते देखा गया। ऐसे में संतोष का अचानक 'बैक-बेंच' पर बैठना क्या अनुशासन की पुनर्स्थापना है या किसी बड़े रणनीतिक बदलाव का संकेत, यह सवाल बना हुआ है

अनुशासन, गुटबाजी और जमीनी फोकस का संदेश- राजनीतिक जानकार मानते हैं कि यह कदम संगठन के भीतर एक सख्त संदेश भी हो सकता है–कि पद से बड़ा अनुशासन है और संगठन का काम सुर्खियों से दूर रहकर होता है। बंगाल भाजपा में लंबे समय से गुटबाजी और पक्षपात के आरोप लगते रहे हैं, खासकर टिकट वितरण को लेकर। दर्शकों के बीच बैठकर संतोष ने खुद को किसी एक गुट से ऊपर, सामान्य कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा दिखाने की कोशिश की हो सकती है।

आने वाले चुनावों की तैयारी की झलक- अमित शाह की मौजूदगी में रणनीतिक टीम का मंच से दूर रहना इस ओर भी इशारा करता है कि पार्टी अब पूरी तरह जमीनी काम, बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक कमियों के सूक्ष्म आकलन पर ध्यान दे रही है। जिस तरह से उनकी उपस्थिति को गोपनीय रखा गया, उससे संकेत मिलते हैं कि यह महज औपचारिकता नहीं, बल्कि दिल्ली से तय किसी सख्त निरीक्षण और रणनीति का हिस्सा हो सकता है। बंगाल भाजपा के लिए यह 'खामोशी' फिलहाल सबसे तेज संदेश बन गई है।

मिशन सुदर्शन चक्र भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की ओर निर्णायक कदम

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा 2025 में अनावरण किया गया मिशन सुदर्शन चक्र भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल को देश के विकसित हो रहे सुरक्षा सिद्धांत की आधारशिला बताया।

लाल किले से प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान घोषित यह मिशन भगवान कृष्ण के सुदर्शन चक्र से प्रेरणा लेता है। इसका उद्देश्य शत्रु की घुसपैठ को नाकाम करना और भारत की आक्रमण क्षमताओं को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में आए परिवर्तन और खतरों का तेजी, सटीकता और मजबूती से जवाब देने के उसके संकल्प को दर्शाता है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिशन सुदर्शन चक्र एक दूरदर्शी कार्यक्रम है जिसके तीन प्रमुख उद्देश्य हैं। रक्षा प्रणालियों का पूर्णतया अनुसंधान, विकास और निर्माण भारत के भीतर ही सुनिश्चित करना। भविष्योन्मुखी और उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से भविष्य के युद्ध परिदृश्यों का पूर्वानुमान लगाना और त्वरित जवाबी कार्रवाई में सक्षम सटीक, लक्षित प्रणालियां तैयार करना।

राजस्थानः 150 किलो विस्फोटक बरामदगी मामले में NIA और IB की एंट्री, आरोपियों से की पूछताछ

जयपुर/ जीएनएस। राजस्थान के टोंक में एक कार में मिले 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) मामले की जांच अब एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) करेगी। एनआइए की टीम ने गुरुवार को टोंक पहुंचकर आरोपितों से पूछताछ की।

राजस्थान पुलिस और एटीएस पहले ही मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने टोंक जिले के चिरौंज गांव से बुधवार रात अमोनियम नाइट्रेट के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया था। एनआइए के साथ ही आइबी भी मामले की जांच में शामिल होगी।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह एनआइए के अधिकारी बरौली पुलिस थाने पहुंचे, वहां आरोपितों से इतनी मात्रा में विस्फोटक सामग्री कहां से आई और वह इसका क्या उपयोग करना चाहते थे? क्या पहले भी किसी अन्य शहर में अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति की गई थी। टोंक में क्यों लाया गया? जैसे सवाल पूछे।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि टोंक जिले की पहाड़ियों में होने वाले अवैध खनन में भी अमोनियम नाइट्रेट का उपयोग होता है। संभव है कि दोनों आरोपित अवैध खनन के लिए भी यह विस्फोटक यहां लेकर आए हो।

दोनों आरोपित चार अलग-अलग यूरिया खाद के बोरों में 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट छिपाकर लाए थे। कार की तलाशी में अमोनियम नाइट्रेट के साथ ही दो सौ डेंजर एक्सप्लोसिव कार्टेज, सेफ्टी फ्यूज वायर के आधा दर्जन बंडल एवं 1100 मीटर सामान्य तार जब्त किया गया है।

जमानत पर छूटते ही आरोपी ने लिया बदला, पीड़िता के पति को जिंदा जलाया

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में छेड़छाड़ के एक मामले में जमानत पर रिहा हुए आरोपी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पीड़िता के पति को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। इस सनसनीखेज घटना में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यह वारदात 29 दिसंबर की तड़के नायगांव तहसील के बेंद्री गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, संतोष माधवराव बेंद्रिकर पर 22 दिसंबर को एक महिला से छेड़छाड़ का आरोप लगा था। उसे 28 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था और जल्द ही जमानत मिल गई। पीड़िता के पति को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया गया।

पुलिस ने बताया कि जमानत पर रिहा होने के अगले ही दिन संतोष ने अपने पिता माधव और भाई शिवकुमार के साथ मिलकर पीड़िता के पति से इस बात को लेकर विवाद किया कि उसने पुलिस में शिकायत क्यों दर्ज कराई।

जब पीड़िता का पति अपने घर के पास बने टिन शेड में भैंसों को चारा देने गया, तभी तीनों आरोपियों ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

तीन दिवसीय बंगाल दौरे में शाह ने तय की चुनावी रणनीति, भाजपा नेताओं को दिया लक्ष्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल के तीन दिवसीय दौरे के दौरान सत्तारूढ़ तृणमल कांग्रेस के खिलाफ घुसपैठ और भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाते हुए राज्य भाजपा के नेताओं को ठोस कामकाज व लक्ष्य सौंपकर चुनावी रणनीति तय कर दी।

अपने व्यस्त प्रवास के दौरान शाह ने प्रदेश समिति के नेताओं, पार्टी के सांसदों-विधायकों व पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं अन्य के साथ कम से कम पांच सांगठनिक बैठकें की। इनमें स्थानीय आरएसएस नेताओं के साथ मंथन बैठक, कोलकाता और उसके उपनगरों के पार्टी कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करना तथा एक प्रेस वार्ता भी शामिल थी, जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की दिशा स्पष्ट की।

शाह ने इस दौरे में पार्टी की प्रदेश इकाई को एकजुट व व्यवस्थित करने के प्रयास के साथ पार्टी नेताओं को स्पष्ट बता दिया कि बंगाल में भाजपा की जीत का रास्ता कहां से होकर गुजरता है और चुनाव में क्या लक्ष्य होगा, यह सबकुछ तय कर दिया। शाह ने अपने दौरे के दौरान पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बंगाल इकाई से संपर्क कर संयुक्त चुनावी रणनीति पर समन्वय किया।

जेपी नड्डा की जगह कब लेंगे नितिन नवीन, इस तारीख तक बन सकते हैं BJP अध्यक्ष

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन जनवरी के मध्य में अध्यक्ष पद संभाल सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। फिलहाल, यह जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा संभाल रहे हैं। वह साल 2020 से अध्यक्ष पद पर हैं। खास बात है कि नवीन को भाजपा की कमानी ऐसे समय पर मिल रही है, जब पार्टी पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भाजपा सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर बदलाव की जरूरत पूरी हो गई हैं। ऐसे में नवीन का मध्य जनवरी तक पार्टी के शीर्ष पद पर नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। वह इस पद पर 2029 लोकसभा चुनाव तक रहेंगे। अखबार से बातचीत में भाजपा के एक नेता ने कहा, हमने 18 लाख पोलिंग बूथों में से 17 लाख से ज्यादा पर देश की 1050 जिलों में से 950 से ज्यादा में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 30 में पार्टी के संविधान के अनुसार संगठन चुनाव करा लिए हैं। आगे की प्रक्रिया भी पूरी तरह की जाएगी। उन्होंने कहा, चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में करीब 3 से 4 दिन लगने की संभावनाएं हैं। इसके बाद राष्ट्रीय परिषद की तरफ से इसे मंजूरी दी जाएगी। पार्टी के अन्य सूत्र ने अखबार को बताया, चूंकि इस प्रक्रिया की घोषणा मकर संक्रांति के आसपास हो सकती है, तो ऐसे में 20 जनवरी तक नए अध्यक्ष के ऐलान के आसार हैं।

भागीरथपुरा का ज़हरीला पानी और जवाबदेही का सूखा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर ने बहुत कुछ देखा है, पर पीने के पानी से मौत शायद सबसे भयावह और सबसे शर्मनाक अध्याय है। 1970-80 के दशक के ज़हरीली शराब कांड के बाद अब शहर के माथे पर ज़हरीले पानी से मौतों की कालिख पोत दी गई है। जिस इंदौर को देश सबसे स्वच्छ शहर के रूप में जानता है, वहीं लोग गंदा और जानलेवा पानी पीकर मरने को मजबूर हो गए। यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की सड़ी-गली परतों के एक साथ उधड़ने की कहानी है।

भागीरथपुरा की संकरी गलियों में बहता पानी नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का ज़हर था। पुरानी, जर्जर पाइपलाइन में सेप्टिक टैंक का गंदा पानी मिलना कोई अचानक हुई तकनीकी गलती नहीं थी, बल्कि महीनों से टलते फैसलों, दबे पड़े टेंडरों और न सुनने की परिपाटी का नतीजा था। चार मौतें सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हैं, पर ज़मीनी सच्चाई इससे कहीं ज़्यादा दर्दनाक बताई जा रही है। इस त्रासदी में एक छह माह का मासूम भी शामिल है, जिसने जीवन शुरू करने से पहले ही सिस्टम की कीमत चुका दी।

घटना ने मोहन यादव सरकार को झकझोर दिया। मुख्यमंत्री स्वयं इंदौर पहुंचे, अस्पतालों में पीड़ितों से मिले, मुफ्त इलाज और मुआवज़े की घोषणा की। उन्होंने

खुले तौर पर माना कि सरकारी तंत्र से गलती हुई है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उनके चेहरे और आवाज़ में पीड़ा साफ झलक रही थी। साथ में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर भी मौजूद थे, लेकिन सवाल सिर्फ संवेदना या मुआवज़े का नहीं है। सवाल है जवाबदेही का।

भागीरथपुरा जिस विधानसभा क्षेत्र में आता है, वह स्वयं नगरीय प्रशासन मंत्री का क्षेत्र है। नगर निगम उसी विभाग के अधीन है। ऐसे में यह त्रासदी सिर्फ अफसरों की नहीं, बल्कि राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व की सामूहिक विफलता को भी उजागर करती है। शहर पूछ रहा है कि अगर चुने हुए जनप्रतिनिधियों की लगातार चेतावनियों के बावजूद पाइपलाइन नहीं बदली गई, तो किसकी सुनी जा रही थी और किसकी नहीं?

इस हादसे ने एक बार फिर इंदौर में हावी अफसरशाही की उस संस्कृति को सामने ला दिया है, जहां जवाबदेही ऊपर नहीं जाती और संवेदनाएं फाइलों में दम तोड़ देती हैं। टेंडर समय पर पास हो जाता तो शायद कई जिंदगियां आज जिंदा होतीं। लेकिन यहां सवाल उठाना राजनीतिक आत्महत्या माना जाता है। तू बोलाङ्कमैं चला का डर इतना गहरा बैठा है कि लोग आंखों देखी मक्खी निगलने को मजबूर हैं।

गुस्सा सिर्फ अफसरों पर नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ दल की अंदरूनी गुटबाज़ी पर भी है। शहर के लोग महसूस कर रहे हैं कि एक-दूसरे को निपटाने की राजनीति में इंदौर और उसके बाशिंदे बार-बार कुचले जा रहे हैं। कभी बावड़ी में डूबकर, कभी ट्रक के नीचे आकर, और अब दूषित पानी पीकर। यह कितनी विडंबना है कि सिस्टम से हुई मौतों को भी विधानसभा क्षेत्रों के चश्मे से देखा जा रहा है।

भागीरथपुरा कांड ने चुने हुए जनप्रतिनिधियों की मूक-बधिरता को भी उजागर किया है। सवाल यह है कि क्या जनता के लिए बोलने की कीमत इतनी भारी हो चुकी है कि चुप रहना ही सुरक्षित रास्ता बन गया है? जिस शहर की पहचान कभी सच बोलने और सच के लिए लड़ने से थी, वहां आज खामोशी सबसे बड़ा शोर बन चुकी है।

अब महज जांच समिति बना देना काफी नहीं होगा। इंदौर के नर्मदा जल वितरण सिस्टम का पूरा पोस्टमार्टम जरूरी है—टंकी से लेकर अंतिम नल तक। वर्षों से जमे अधिकारियों की भूमिका, हुए कामों का ऑडिट और जवाबदेही तय किए बिना यह कलंक नहीं धुलेगा। यदि इंदौर जैसे शहर में लोग गंदे पानी से मर सकते हैं, तो छोटे शहरों और कस्बों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

भागीरथपुरा की मौतों ने सरकार को पानी-पानी कर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह आक्रोश और शर्मिंदगी किसी ठोस बदलाव में बदलेगी, या फिर यह भी पुराने कांडों की तरह वक्त के साथ भुला दी जाएगी। शहर उम्मीद कर रहा है कि इस बार जांच सिर्फ गुस्सा ठंडा करने का जरिया नहीं बनेगी, बल्कि जवाबदेही की शुरुआत होगी—ताकि आने वाले समय में इंदौर को फिर कभी यह न सुनना पड़े कि लोग यहां साफ-सुथरे शहर में गंदा पानी पीकर मर गए।

भागीरथपुरा क्षेत्र के मरीजों का सतत उपचार जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा इंदौर में आज 01 जनवरी 2026 को भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर प्रदान की गई। आज विभाग ने 21 टीमें बनाई, जिसमें डॉक्टर, पैरामेडिकल, ए.एन.एम. आशा कार्यकर्ता सम्मिलित हैं, आशाकार्यकर्ता द्वारा क्षेत्र का व्यापक सर्वे किया जा रहा है, इस सर्वे में आज आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। घर-घर जाकर उबला पानी पीने एवं बाहर का भोजन व बाहर के कटे फल न खाने की समझाईश भी दे रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार क्षेत्र में 07 एम्बुलेंस लगाई गई हैं, 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है, मरीजों को एम. व्हाय. चिकित्सालय, अरविंदों अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है, जो मरीज निजी चिकित्सालयों में जा रहें हैं, वहाँ पर भी निःशुल्क उपचार, जॉच एवं औषधि हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा निर्देशित किया गया है। आज गुरूवार को 1714 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें लगभग 8571 लोगों की जांच की गई जिसमें से लगभग 338 मरीज मिले, मरीजों को वही पर प्राथमिक उपचार दिया गया। आज दिनांक तक कुल 272 मरीज अस्पतालों में भर्ती किये गए, जिसमें से 71 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। वर्तमान में अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 201 है और ICU में भर्ती मरीजों की संख्या 32 है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले के राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर संभाग के खंडवा जिले के मोरटक्का में नर्मदा नदी के तट पर स्थित श्री राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में नव वर्ष के अवसर पर सपरिवार दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश में कृषि विकास की दर लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवन रेखा है। मां नर्मदा की कृपा से हमारा प्रदेश लगातार समृद्ध हो रहा है और यहां का कृषि उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोरटक्का में स्थित राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में की जा रही गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा प्रारंभ कुपोषण मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित मातृ एवं शिशु आरोग्य केंद्र का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित गर्भवती व धात्री महिलाओं को पोषण आहार सामग्री वितरित की। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से चर्चा कर आरोग्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा निर्मित कराए जा रहे वेद विद्यालय के निर्माणाधीन भवन का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में कन्या पूजन कर बालिकाओं को उपहार प्रदान किये।

राज्य शासन द्वारा स्टार्टअप को प्रतिमाह 10 हजार रुपये तक की सहायता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 24 फरवरी 2025 के बाद स्थापित होने वाले पात्र स्टार्टअप को मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 अंतर्गत 10 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से 12 माह तक सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में पात्र स्टार्टअप को बैंक से ऋण प्राप्त करने पर 5 प्रतिशत का ब्याज अनुदान एवं 15 प्रतिशत दर से अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है।

स्टार्टअप योजना के जागरूकता हेतु 02 जनवरी को एसजीआईटीएस कॉलेज, प्रेस्टीज कॉलेज एवं वर्की टेक सेण्टर विजय नगर इंदौर में शिविर आयोजित किए जायेंगे। साथ ही राज्य शासन द्वारा प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने हेतु 11 एवं 12 जनवरी को रविन्द्र भवन भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं इकोसिस्टम अवार्ड 2026 कार्यक्रम किया जाएगा।

उक्त सहायता एवं कार्यक्रम में भागीदारी हेतु इच्छुक startup.mp.gov.in पोर्टल पर आवेदन कर पंजीयन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र पोलोग्राउंड इंदौर के प्रबंधक श्री जयन्त सिंह (98260-68813) एवं सहायक प्रबंधक श्री आदित्य मोहन गुप्ता (94065-11567) से संपर्क किया जा सकता है।

इंदौर में शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण माहौल में मना नववर्ष 2026 का स्वागत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष 2026 के स्वागत को लेकर इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से किए गए समन्वित और सतर्क प्रयासों का असर शहर में साफ दिखाई दिया। 31 दिसंबर की रात इंदौर में कहीं भी कोई बड़ा विवाद, अप्रिय घटना या गंभीर दुर्घटना सामने नहीं आई और नागरिकों ने सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में नए साल का जश्न मनाया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन और नेतृत्व में इंदौर पुलिस ने बीते कई दिनों से विशेष तैयारियां की थीं। इसी का परिणाम रहा कि थर्टी फर्स्ट की रात शहर पूरी तरह पुलिस की कड़ी निगरानी में रहा। शहरभर में 2000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे और 100 से अधिक चेकिंग पॉइंट्स लगाकर सघन जांच की गई। हाई रेजोल्यूशन कैमरों, नाइट विजन कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी लगातार निगरानी रखी गई।

एडिशनल कमिश्नर के नेतृत्व में चारों जोनों के डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारी स्वयं फील्ड में मौजूद रहे। थानों का 60 प्रतिशत से अधिक बल सड़कों पर तैनात रहा और असामाजिक तत्वों, बदमाशों एवं नशेड़ियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी गई। शहर में आउटर और इनर सर्कल के तहत विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई, जिससे बाहरी क्षेत्रों से नशे की सप्लाई और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई विशेष रूप से सख्त रही। चेकिंग के दौरान 334 लापरवाह वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा गया, जिनमें 204 दोपहिया और 130 चारपहिया वाहन चालक शामिल थे। सभी के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत सख्त कार्रवाई की गई। सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से शराब सेवन करने वालों के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किए गए, वहीं शहर में अवैध हथियार लेकर घूम रहे तीन बदमाशों को किसी गंभीर वारदात से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके साथ ही विभिन्न मामलों में वांछित 44 गैर-जमानती वारंटी भी पुलिस की पकड़ में आए।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए थे। शक्ति मोबाइल और महिला पीसीआर में तैनात महिला बल द्वारा पब, बार और विभिन्न आयोजनों के आसपास लगातार निगरानी रखी गई। तय समय पर सभी पब, बार और आयोजनों को बंद करवाया गया और सड़क पर नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी देर रात तक स्वयं चेकिंग पॉइंट्स पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करते रहे।

नववर्ष से पहले इंदौर पुलिस ने पब, बार और डीजे संचालकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। आयोजनकर्ताओं को तय गाइडलाइंस के अनुसार ही कार्यक्रम करने के लिए पाबंद किया गया था। पूर्व वर्षों में हुए विवादों, महिलाओं से जुड़ी घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष कार्ययोजना बनाई गई थी। संवेदनशील और हॉटस्पॉट क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

इंदौर पुलिस द्वारा अवैध नशे, गुंडागर्दी और बदमाशों के खिलाफ लगातार की गई पूर्व कार्रवाई का भी असर नजर आया। पिछले दिनों चलाए गए विशेष अभियानों में हजारों बदमाशों और नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध की गई कार्रवाई से 31 दिसंबर की रात शहर में अनुशासन और सतर्कता का माहौल बना रहा। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के इन कड़े कदमों और नागरिकों के सहयोग से नववर्ष 2026 का स्वागत शहर में पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

नववर्ष पर श्री 24 अवतार मंदिर में फूल बंगले की अलौकिक सजावट, उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक भीड़

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष के पावन अवसर पर देपालपुर स्थित श्री 24 अवतार मंदिर महातीर्थ में आस्था, भक्ति और उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। नववर्ष की सुबह से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया, जहां भगवान विष्णु के दर्शन के लिए हजारों भक्त उमड़े। इस विशेष अवसर पर मंदिर को फूल बंगले की भव्य और आकर्षक सजावट से सजाया गया। रंग-बिरंगे और सुगंधित पुष्पों से सजे मंदिर ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और पूरा परिसर अलौकिक छटा से सराबोर नजर आया।

अलसुबह से ही भक्तजन भजन-कीर्तन करते हुए, नाचते-गाते हुए मंदिर पहुंचे। चारों ओर जयकारों की गूंज और भक्तिमय वातावरण ने नववर्ष के स्वागत को और भी विशेष बना दिया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु के दर्शन कर नववर्ष में सुख, शांति और

समृद्धि की कामना की। श्रद्धा और उत्साह से भरे इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पार्किंग व्यवस्था भी कम पड़ गई। वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, लेकिन इसके बावजूद मंदिर समिति और स्वयंसेवकों की सक्रिय व्यवस्था से दर्शन प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रही और किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हुई। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, नववर्ष के दिन करीब 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं ने श्री 24 अवतार मंदिर में दर्शन किए।

इस वर्ष नववर्ष के आयोजन में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। इंदौर, महू, बेटमा, सांवेर, पीथमपुर, धार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला भजन मंडलियां मंदिर पहुंचीं। महिलाओं ने भजन-कीर्तन के माध्यम से नववर्ष का स्वागत किया और भक्तिमय माहौल में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

दिनभर मंदिर परिसर में उत्सवी और पारिवारिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों से लाया गया भोजन प्रसाद रूप में ग्रहण किया, वहीं कई समाजसेवियों ने भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था की। सेवा, सहयोग और सामूहिकता की भावना ने नववर्ष के उत्सव को और भी गरिमामय बना दिया।

उल्लेखनीय है कि श्री 24 अवतार मंदिर में भगवान विष्णु की सपरिवार भव्य प्रतिमा विराजमान है, जो देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। मंदिर परिसर में नवदुर्गा के नौ मंदिरों और भगवान शिव के ग्यारह रुद्र मंदिरों का संगमरमर से भव्य निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। मंदिर ट्रस्ट का मानना है कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह महातीर्थ एक प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा, जिससे क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

नववर्ष पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया गौपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष के प्रथम दिवस पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा स्थित बसामन मामा गौवंश वन्य विहार पहुंचकर गौपूजन किया और गौमाताओं को गुड़ एवं गौग्रास खिलाकर आशीर्वाद लिया। प्रभात बेला में गौसेवा कर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में गोलोक दर्शन महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। गोलोक दर्शन के माध्यम से आमजन गौशाला का भ्रमण कर गौमाताओं का पूजन कर सकेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में संचालित गतिविधियों एवं प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि द्वितीय चरण में गौवंश वन्य विहार से लगी 16 एकड़ भूमि पर आधुनिक गौशाला का निर्माण कराया जाएगा, जहां दुधारू एवं उन्नत नस्ल के गौवंश का संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री श्री अमित शाह के आगमन से गौवंश वन्य विहार के विकास कार्यों को नई ऊर्जा और प्रोत्साहन मिला है तथा इसे देश की सर्वोत्तम और अत्याधुनिक गौशाला के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में चारागाह विकास का कार्य प्रारंभ करने तथा वहां उत्पन्न चारे को काटकर गौग्रास के रूप में गौशाला तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बाउंड्रीवाल निर्माण सहित अन्य लंबित निर्माण कार्यों के भुगतान शीघ्र कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गौसेवकों के मानदेय में वृद्धि को भी उन्होंने अनुमोदन प्रदान किया और गौशाला में गोमूत्र संग्रहण की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी फरवरी माह में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में संत श्री राजेन्द्रदास जी महाराज की कथा का आयोजन किया जाएगा।

भागीरथपुरा जलजनित घटना की पुनरावृत्ति रोकने के होंगे पूरे इंतजाम

अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन प्रभावित क्षेत्र का करेंगे भ्रमण - जांच रिपोर्ट आने पर आगे होगी लापरवाही पर कार्यवाही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना के संबंध में जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आज इंदौर में समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना की पृष्ठभूमि, वर्तमान स्थिति और अब तक की गई व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संबंध में लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे इंतजाम सुनिश्चित किये जायेंगे जिससे की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो।

इस मौके पर नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, श्री गोलू शुक्ला, अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव सीएम सचिवालय श्री नीरज मण्डलोई, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, एमआईसी मेम्बर श्री अभिषेक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थिति पर सतत निगरानी एवं त्वरित निर्णय सुनिश्चित करने के लिए अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे को इंदौर में ही तैनात रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि नगर निगम की आवश्यकता को देखते हुए पर्याप्त अमला और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि जलापूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में टैंकरों के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जलापूर्ति पुनः प्रारंभ होने पर कहीं भी लीकेज या संदूषण की आशंका पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से में जलापूर्ति शुद्ध पाई गई है, जबकि शेष हिस्सों में पुरानी एवं क्षतिग्रस्त लाइनों के कारण समस्या सामने आई है, जिन्हें दुरुस्त किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रारंभिक स्तर पर हुई किसी भी प्रकार की लापरवाही की जांच की जा रही है। विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, एक भी नागरिक को इस प्रकार का कष्ट न हो—यह हमारी जिम्मेदारी है। जो हुआ वह दुखद है, लेकिन इससे सबक लेकर भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए सरकार पूरी दृढ़ता से कदम उठाएगी।

शहर के साथ गाँव-गाँव में मिलेगी सुगम लोक परिवहन सेवा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नव वर्ष में शीघ्र ही प्रदेशवासियों को मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके तहत प्रदेश में सरकारी बसों का संचालन होगा, जिससे गाँव-गाँव तक सस्ती और सुविधाजनक बस सेवा नागरिकों को मिलेगी। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में लग्जरी बसे भी चलाई जायेंगी।

प्रदेश में नगर वाहन सेवा सहित अंतर्शहरी बस सेवा को सुगम बनाने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा को प्रारंभ करने की स्वीकृति दी जा चुकी है। यात्री परिवहन सेवा प्रारंभ करने के लिये 101 करोड़ 20 लाख रूपये की अंशपूंजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिये कंपनी एक्ट के तहत स्क्ङ्कह्य गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कंपनियों के साथ संभागीय कंपनी के रूप में मर्ज किये जाने का भी निर्णय लिया गया है।

प्रदेश में परिवहन व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिये 7 कंपनियों के एकीकृत नियंत्रण के लिये राज्य स्तर पर कंपनीज एक्ट 2013 के तहत एक होल्डिंग कंपनी का गठन करने का भी निर्णय लिया गया है। कैबिनेट मीटिंग में जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति के गठन की भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा संचालन के लिये बस परिवहन अधोसंरचना के तहत पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) प्रक्रिया से उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मापदंडों का यात्री एवं बस ऑपरेटर के लिये सुविधाओं का?निर्माण किया जायेगा। बस संचालन एवं संधारण के लिये पीपीपी मोड प्रक्रिया से, निजी बस ऑपरेटर्स को संगठित रूप से एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संचालित किया जायेगा। परिवहन सेवा की निगरानी के लिये आईटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन की स्थापना करते हुए बस ऑपरेशन्स पर प्रभावी निगरानी रखी जायेगी। होल्डिंग कंपनी द्वारा एक कुशल आईटी प्लेटफार्म स्थापित करते हुए उस पर नोटिफाइड रूट अनुसार निजी बस ऑपरेटर्स को अनुबंधित किया जायेगा। साथ क्षेत्रीय सहायक कंपनियों की आय के स्त्रोत निर्माण के लिये इस योजना में विशेष इंतेजाम किये गये हैं। नवीन परिवहन योजना का सबसे अधिक लाभ यात्रियों को होगा।

पश्चिम रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रतलाम में नववर्ष की शुरुआत विशेष अंदाज़ में हुई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष के प्रथम दिवस पर पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार ने पश्चिम रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रतलाम का निरीक्षण किया और विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं एवं आवश्यकताओं का अवलोकन किया।

पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रतलाम में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री कुमार ने वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं अध्यक्ष रेलवे शाला श्री अविनाश कुमार की उपस्थिति में ओस्तवाल समूह द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत प्रदत्त पाँच (5) इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड्स विद्यालय को समर्पित किए। इन अत्याधुनिक बोर्ड्स उपलब्ध करने मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति में सुझाई गई शिक्षण पद्धति के अनुरूप विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी संसाधनों के माध्यम से शिक्षण में सहायक वातावरण उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने विभिन्न अस्पतालों में पहुँचकर भागीरथपुरा के प्रभावितों से संवाद किया और उनका हालचाल जाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इंदौर में भागीरथपुरा में हुई घटना के प्रभावितों से मिलने 31 दिसम्बर की शाम को परदेशीपुरा स्थित वर्मा अस्पताल, नंदानगर स्थित बीमा अस्पताल,एमआईजी चौराहा स्थित डीएनएस अस्पताल, रेसकोर्स रोड़ स्थित शैल्बी अस्पताल, एम.वाय.अस्पताल सहित विभिन्न अस्पतालों में पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावितों से अस्पताल में उपलब्ध कराए जा रहे उपचार तथा अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व निर्मित हुई स्थितियों के बारे में और उनके कामकाज आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने

चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों से चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदना के साथ त्वरित निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन ही सुशासन की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रभावितों को भरोसा दिलाया और कहा कि चिंता न करें, सब कुछ अब ठीक होगा और आप भी पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घर सकुशल पहुँचोंगे। यहाँ आपको बेहतर से बेहतर निःशुल्क उपचार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को निर्देशित किया कि सभी प्रभावितों का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जाये साथ ही इसकी निगरानी भी हो। यह सुनिश्चित किया जाये कि प्रभावितों को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावितों और उनके परिजनों से कहा कि राज्य शासन आपके साथ है।

मर्डरकांड : जैन समाज में आक्रोश, सराफा बाजार रहा बंद, पुख्ता खुलासे और अन्य अपराधी की आशंका, दिया ज्ञापन

सोना-चांदी के व्यापारिक लेनदेन में चाकूओं से दंपति को गोदा, हत्यारे ने खुद को गोली मारी, पैनल से पीएम हुआ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोल चौराहा क्षेत्र में साल के आखिरी रात्रि में सोना-चांदी के व्यापारिक लेनदेन में दिलीप एवं उनकी पत्नी रेखा जैन की चाकूओं से गोदकर हत्या होना प्रतीत हुआ है। निंबाहेड़ा निवासी हत्यारे विकास सोनी ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी की। इस मामले में पहली जनवरी को जैन समाज में आक्रोश रहा, वहीं सराफा बाजार बंद रहा। पुख्ता खुलासे और अन्य अपराधी की आशंका में जैन समाज ने एएसपी तेर सिंह बघेल को सकल जैन समाज अध्यक्ष जय बडजात्या के नेतृत्व में एक दिया ज्ञापन सौंपा।

साल 2025 के आखिरी दिन जहां पूरी दुनिया शोर-शराब और नए साल के जश्न में मशगूल थी, तो वहीं दूसरी तरफ मंदसौर के गोल चौराहा क्षेत्र में एक घर में गोलियां चली। पुलिस ने तीनों शवों का पोस्टमार्टम गुरुवार को पैनल से कराया। फॉरेंसिक टीम ने भी अपना कार्य करा है। रात्रि में दिलीप ऑटो एजेंसी के मालिक दिलीप जैन के घर से आई अचानक गोलियों की आवाजों से इलाके के लोग थर्रा उठे। इस घटना के तत्काल बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शहर के बड़े व्यवसायी दिलीप जैन और उनकी पत्नी रेखा जैन के अलावा एक और युवक विकास सोनी निंबाहेड़ा का खून से लथपथ शव बरामद किया। इसके साथ ही पुलिस ने घटनास्थल से एक रिवाल्वर और चाकू भी बरामद किया है। बताया जा रहा है कि दिलीप जैन और विकास सोनी सर्राफा कारोबार से भी जुड़े हुए थे। इसी सिलसिले में लंबे समय से दोनों के बीच पैसों की बड़ी लेनदेन को लेकर विवाद भी हुए हैं। घटना बुधवार की रात 8-30 बजे की बताई जा रही है, वहां विकास सोनी व्यापारी दिलीप जैन के घर पहुंचा। उसने व्यवसायी दिलीप और पत्नी रेखा जैन की हत्या की। इसके बाद विकास ने आत्महत्या कर ली। गोली कितनी चली, इसका अभी खुलासा नहीं किया गया है। हालांकि अभी मामले की सही जानकारी सामने नहीं आई है, जिसकी प्रशासनिक पुष्टि हुई हो।

पुलिस को घटनास्थल से गन और चाकू बरामद- गोली चलने की जानकारी मिलने के बाद एसपी विनोद कुमार मीणा और पुलिस का भारी अमला मौके पर पहुंचा। मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे डीवीआर को बरामद कर उनके सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई। एसपी विनोद कुमार मीणा ने बताया कि शहर के ऑटो व्यवसायी दिलीप जैन और उनकी पत्नी की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक रिवाल्वर और एक चाकू भी बरामद किया है। घटना में निंबाहेड़ा निवासी एक युवक की भी मौत हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे. अभी घटना का कारण स्पष्ट नहीं है. उन्होंने दोनों व्यक्तियों के बीच आपसी लेनदेन होने की आशंका जताई है।

सुशासन भवन परिसर में राष्ट्रगीत वंदेमातरम् का हुआ सामूहिक गायन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष के अवसर पर मंदसौर कलेक्टर कार्यालय स्थित सुशासन भवन परिसर में शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगीत वंदेमातरम् का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। राष्ट्रगीत गायन के माध्यम से देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प लिया।

डेढ किलो गिरवी चांदी के बारे में एसपी को दिया आवेदन, बताया भूलवश राजू सर्राफ की शिकायत की

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डेढ किलो चांदी गिरवी के मामले में कथित पीडित व्यक्ति ने आज एक जनवरी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एक आवेदन दिया है, जिसमें बताया कि भूलवश उसने दिनांक 31 दिसंबर 2025 को श्रीमान के समक्ष आवेदन दिया था, जबकि उसकी रकम मिल गई है। ऐसी स्थिति में वह आरआर ज्वेलर्स के संचालक राजू सर्राफ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं चाहते है। शिकायतकर्ता जयसिंह पिता नग्गा बंजारा निवासी टाटियाखेडी थाना नीमच सिटी ने 31 दिसंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर एक शिकायती आवेदन दिया था, जिसमें प्रतिष्ठित आभूषण व्यापारी राजू सर्राफ पर गिरवी रकम डेढ किलो चांदी हडपने के आरोप लगाए थे। शिकायत में उल्लेख किया गया था कि उसने डेढ किलो चांदी गिरवी रखी थी, उसे हडप कर लिया है, नहीं दिया जा रहा है। आज एक जनवरी को शिकायतकर्ता ने आवेदन दिया और कहा कि राजू सर्राफ से मेरा कोई लेना देना नहीं है। उनके विरूद्ध कार्रवाई नहीं चाहता हूं। जबकि रकम हमारे घर पर मिल गई है।

पंख अभियान नीमच के तहत दीपक को मिला डॉ.भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना का लाभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में बाछड़ा समुदाय के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में संचालित पंख अभियान नीमच के तहत जिला प्रशासन द्वारा युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाया जाकर, उन्हे आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है।

पंख अभियान के तहत जिले की नीमच विकासखण्ड के सगरग्राम निवासी युवक दीपक पिता श्यामलाल को म.प्र.शासन की डॉ.भीमराव अम्बेड़कर आर्थिक कल्याण योजना तहत एक लाख रूपये का ऋण प्रदान किया गया है। यह ऋण राशि बैंक आफ बड़ोदा शाखा नीमच से प्रदान की गई है। इस योजना के तहत मिली ऋण राशि से दीपक ने अपने गांव सगरग्राम में किराना दुकान स्थापित कर, प्रतिमाह 5 से 6 हजार रूपये की अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर रहा है।

इंदौर के घटनाक्रम से सबक ली : नपाध्यक्ष रमादेवी ने लाईनमेनों की बैठक ली, दूषित पानी से संबंधित शिकायतें तत्काल करें निराकृत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों इंदौर से दूषित पानी के कारण हुई दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए मंदसौर नगर में कोई ऐसा घटनाक्रम नहीं हो, इसके लिये नपा क्या-क्या आवश्यक प्रबंध कर सकती है। इस मुख्य बिन्दू को लेकर गुरूवार को नपा के जलकार्य विभाग के प्रमुख कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, सीएमओ एवं डिप्टी कलेक्टर अनिता चकोटिया, जलकार्य सभापति निलेष जैन ने नपा के लाईनमेनों की बैठक ली। इस बैठक में जलकार्य समिति के सदस्यगण कमलेश सिसौदिया, गोवर्धन कुमावत, सुनीता भावसार, सुनीता गुजरिया, माया भावसार, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस. धारवे, नपा कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया, लेखापाल गौरव नलवाया, नपा लाईन मेन मुकेश पुरोहित, नरेन्द्र खमेसरा, धर्मेन्द्र राव, सोहनलाल माली भी उपस्थित थे।

बैठक में नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने नपा कर्मचारियों को निर्देश दिया कि नपा के जलप्रदाय शाखा के कर्मचारीगण पेयजल वितरण के समय पूरे क्षेत्र में भ्रमण करें तथा नागरिकों से चर्चा करे यदि चर्चा में दुषित पानी की शिकायत प्राप्त होती है तो तत्काल पाईप लाईन, चेम्बर आदि चेक करे तथा शिकायत का त्वरित निराकरण करे। मंदसौर नगर में पानी की जो टंकिया है उनकी सफाई निर्धारित समय पर कराये। टंकियों पर सीडी व ढक्कन नहीं है तो उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर दोनों कार्य शीघ्रता से कराये।

नपा के जल प्रदाय के प्रमुख स्त्रोत रामघाट एवं काला भाटा बांध पर चौकसी रखी जाये यहां अनावश्यक आवागमन नहीं हो यदि कोई यहां आये तो उनका रिकार्ड रजिस्टर में दर्ज किया जाये। दोनों स्थानों पर 8-8 घण्टे की पारियों में कर्मचारियों की नियुक्ति रहे। मंदसौर नगर में जहां भी पाईप लाईन बदलने की जरूरत है उसे सूचीबद्ध करें ताकि आगामी समय में उस पाइप लाइन को बदलने की कवायद की जा सके। जलकार्य सभापति निलेश जैन ने कहा कि नपा की जलकार्य शाखा के कर्मचारी प्रातःकाल जिस परिश्रम से कार्य करते है वह सराहनीय है।

लेकिन हमें इंदौर के घटनाक्रम से सबक लेना है और अपने-अपने प्रभार के क्षेत्र में प्रतिदिन भ्रमण करना है ताकि दूषित पानी की शिकायत है तो उसका निराकरण हो, जहां भी नालियों के पास पाईप लाईने है उन्हें चेक करे तथा सीवरजेज योजना में इसे कैसे बदलना है या नाली का स्थान से पाईप लाईन की दूरी बनी रहे इसकी भी सूची बनाये। बैठक में जलकार्य समिति सदस्य कमलेश सिसौदिया, गोवर्धन कुमावत, श्रीमती सुनीता गुजरिया ने अपने-अपने क्षेत्र में जो जलकार्य विभाग की जो छोटी बड़ी समस्याये है उनके निराकरण के लिये क्या-क्या किया जा सकता है इसका सुझाव भी दिया। बैठक में यह सुझाव भी आया कि नपा के जलकार्य शाखा के कर्मचारियों का वाट्सअप ग्रुप बनाया जाये जो कि तत्काल समस्याओं के समाधान के लिये कार्य करे। बैठक में मिड इंडिया व गीता भवन अंडरब्रिज में जलभराव की समस्या के समाधान पर भी चर्चा हुई। साथ ही आगामी समय में कुओं की सफाई, उन पर जाली और ढक्कन लगाने संबंधी कार्य कराने पर भी चर्चा की गई। बैठक में कर्मचारियों ने भी अपने विषयों से अवगत कराया।

पशुपालन से मिली आर्थिक समृद्धि की राह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के गांव भाटखेडी निवासी श्रीमती चन्दाबाई पाटीदार पशुपालन से प्रतिमाह पचास हजार रुपये कमा कर, परिवार की आर्थिक सहायता कर रही है। चन्दाबाई का कहना है, कि उन्होने आठ वर्ष पूर्व 3 गायों से पशुपालन कर कार्य प्रारम्भ किया था। आज उनके पास घर पर ही पैदा हुई बछियाओं से 10 गायें है। इनमें से 4 दूध दे रही है तथा 6 गर्भवती है। चन्दाबाई प्रतिदिन 40 लीटर दूध डेयरी पर, बेचकर 50 हजार रूपये प्रतिमाह कमा रही है।

पशुपालक श्रीमती चन्दाबाई ने अपनी पशुशाला को आधुनिक तरिके से बना रखा है, जिसमें पक्का फर्श, चारा खाने की होदियों तथा पानी के लिए ऑटोमेटिक टब लगा रखे है। इससे मानव संसाधन की बचत होती है साथ ही चारा भी खराब नहीं होता है और पशुशाला की सफाई भी जल्दी हो जाती है।

पशुपालक श्रीमती चन्दाबाई अपने पशुओं को घर का तैयार मक्का का दलिया, उड़द की चूरी पशु आहार एवं कपास्या खली के साथ मिनरल मिक्चर खिलाती है, जिससे पशुओं का स्वास्थ्य अच्छा रहता है और उनकी दूध उत्पादन क्षमता भी बढ़ती हैं।

पशुपालक श्रीमती चन्दा बाई कहती है, कि वे प्रतिवर्ष गाय से बछिया प्राप्त करती है। बछिया के जन्म से दुधारु पशुओं की संख्या में वृद्धी हो रही है वह अपने पशुओ का सेक्स सार्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान करवाती है ताकि अधिक से अधिक मादा बछिया पैदा हो। इस तरह चंदाबाई ने पशुपालन के से आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर वे अपने परिवार की समृद्धि में भी सहायता कर रही है। दुग्ध उत्पदन से उन्हें समृद्धि की राह मिली है।

प्रशासन गांव की ओर अभियान - जिले में 5 हजार से अधिक हितग्राही लाभांवित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में सुशासन की दिशा में अभिनव पहल प्रशासन गांव की और अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में 22 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायत कलस्टर मुख्यालयों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाकर, हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। गुरूवार को आयोजित शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा, राजस्व एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पांच हजार से अधिक हितग्राहियों को सेवाएं प्रदान कर लाभांवित किया गया है।

विशेष राजस्व शिविरों में 2723 आवेदन प्राप्त - 551 निराकृत- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत गुरूवार को जिले में आयोजित विशेष राजस्व शिविरों में कुल 2723 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 551 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 2172 आवेदन लंबित रखे जाकर, संबंधित तहसीलदार द्वारा उनका समय सीमा में निराकरण करने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत नामांतरण के 599, बंटवारा के 255, सीमांकन के 51, कब्जा विवाद के 22, रास्ता विवाद के 74, खसरे नक्शे में बटांकन के 235, राजस्व पुलिस के मध्यस्थता संबंधी 19 आवेदन प्राप्त हुए है। राजस्व रिकार्ड मे आदेश अमल के 212, बी1 वाचन उपरांत रिकार्ड सुधार के 497 आवेदन, ग्राम आबादी के प्रस्ताव 37, फार्मर रजिस्ट्री के 221, आरओआर केवायसी के 393, नक्शे में त्रुटिसुधार के 130 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें से कुल 551 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरूवार को प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत आयोजित किए गये शिविरों में 1616 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया। इनमें 1332 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच, 1112 हितग्राहियों की एन.सी.डी. स्क्रीनिंग, 17 नवीन गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, टीकाकरण से छूटे 13 बच्चों का टीकाकरण, 440 बच्चों एवं 178 गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच, संभावित 311 टी.बी.मरीजों की खंखार पट्टी संग्रहण एवं जाचं की गई। 28 हितग्राहियों की समग्र आईडी समस्या का समाधान, 23 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड पंजीयन भी शिविर में किया गया है।

प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत गुरूवार को जिले में आयोजित शिविरों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 4 स्थानों पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। मनरेगा के 79

श्यामलाल धनोतिया सेवानिवृत्त : खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने सम्मान कर दी विदाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड मंदसौर के नोडल अधिकारी तथा मार्केटिंग डेवलपमेंट असिस्टेंड योजना प्रभारी श्री श्यामलाल धनोतिया 40 वर्षो की शासकीय सेवा से आज सेवानिवृत्त हो गए है। विभाग आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। आपने शासन के निर्देशों का पालन किया और समय पर कार्य पूर्ण कर एक मिसाल पेश की जिसे हमारा विभाग कभी भूल नहीं सकता। खुशी इस बात की है कि आपने 40 साल इस विभाग को दिए और दुख इस बात का है कि आप आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

उक्त बात मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड कंबल केंद्र मंदसौर में वक्ताओं ने कही। अवसर था मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के नोडल अधिकारी श्यामलाल धनोतिया के सेवानिवृत्ति का। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आप बडे ही निर्मल स्वभाव एवं सरल चरित्र के धनी है। आपका मुस्कराने वाला चेहरा हमें हरदम याद आएगा। जब भी आप किसी कार्य को हाथ में लेते थे उसे समय से पूर्व करवाते थे। आपका सेवाकाल बडा ही शानदार रहा। आपके पास कम्बल केंद्र के साथ-साथ नोडल अधिकारी का भी अतिरिक्त प्रभार था। श्यामलाल धनोतिया के सेवानिवृत्ति पर प्रबंधक अजीत कुमार प्रजापति, सहायक प्रबंधक ध्रुवसिंह गुर्जर, जिला प्रभारी दिनेश रेकवार, कम्बल केंद्र कर्मचारी सर्वश्री राजेंद्र सिंह, कैलाश गायरी, राजेश तिवारी, मोहनलाल कुरवीय, जितेन्द्र शर्मा, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र के श्री कुलाडे, शिवनारायण, निरज उइके सहित समस्त स्टॉफ कर्मचारियों ने आपको शॉल श्रीफल भेंटकर साफा बांधकर सम्मानित करते हुए पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत किया। उक्त जानकारी पत्रकार धर्मेन्द्रसिंह रानेरा ने दी।

कलेक्टर ने तहसील न्यायालयों, शासकीय अभिलेखागार एवं निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण किया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने आज 01 जनवरी को तहसील न्यायालय रतलाम ग्रामीण, नायब तहसीलदार न्यायालय बिलपांक एवं निर्वाचन कार्यालय रतलाम ग्रामीण एवं शासकीय अभिलेखागार का निरीक्षण किया। तहसील न्यायालय के निरीक्षण के दौरान लंबित राजस्व प्रकरणों, नामांकन, बंटवारा,सीमांकन के प्रकरण देखे एवं समय सीमा में प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिए। समय अवधि में प्रकरणों का निराकरण एवं प्रक्रिया पूर्ण न करने पर तहसील रतलाम ग्रामीण एवं नायब तहसीलदार कार्यालय के रीडर (प्रवाचक) को कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विधानसभा 219 रतलाम ग्रामीण के निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण कर एस आई आर के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। फार्म 6,फार्म 7, फार्म 8 एवं दावे आपत्तियों की समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। शासकीय अभिलेखागार का निरीक्षण कर साफ-सफाई करवाने, फाइलों को व्यवस्थित कर सही क्रम में रखने के लिए संबंधित शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया । निरीक्षण के दौरान ए डी एम डॉ शालिनी श्रीवास्तव,एस डी एम रतलाम ग्रामीण श्री विवेक सोनकर, डिप्टी कलेक्टर श्री संजय शर्मा सहित संबंधित शासकीय सेवक उपस्थित थे।

एसबीआई की सीएसआर पहल के तहत छात्राओं को साइकिल वितरण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) क्षेत्रीय कार्यालय, मन्दसौर द्वारा नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना, उनकी नियमित विद्यालय उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज एवं उत्कृष्ट स्कूल के प्राचार्य श्री प्रवीण दवे विशेष रूप से उपस्थित रहे। एसबीआई की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक श्री दीपेन्द्र रघुवंशी, मुख्य प्रबंधक श्री शिखर बाफना, श्री राजेश व्यास एवं श्री महेन्द्र जोशी तथा प्रबंधक (एचआर) श्री हिरेंद्र राणावत कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर चयनित छात्राओं को साइकिल वितरित की गईं। अतिथियों द्वारा छात्राओं की शिक्षा के प्रति लगन की सराहना की गई तथा उन्हें आगे भी पूरे मनोयोग से अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक श्री दीपेन्द्र रघुवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि नववर्ष के अवसर पर यह पहल छात्राओं के लिए नई शुरुआत और नए अवसरों का प्रतीक है तथा एसबीआई समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

व्यापारी संघ अध्यक्ष प्रत्याशी गोपाल जीजी पहुंचे मालवा की वैष्णोदेवी

नए वर्ष की शुरूआत मां के चरणों से, भक्तों को हलवा वितरण, चुनाव में जीत का लिया आशीर्वाद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा के वैष्णोदेवी के नाम से प्रसिद्ध मां भादवामाता के नए वर्ष एक जनवरी गुरूवार को माताजी के दर्शन से साल की शुरूआत करने के लिए भक्तों की भीड उमडी। नीमच व्यापारी संघ अध्यक्ष पद चुनाव के लिए खडे हुए गोपाल गर्ग (जीजी) ने चमत्कारिक भादवामाता का आशीर्वाद लिया और भक्तों हलवा वितरित किया। अध्यक्ष प्रत्याशी गोपाल गर्ग जीजी ने भय व आतंक से छुटकारा दिलाने के लिए मां भादवा से कामनाएं की।

गुरूवार सुबह मंडी व्यापारी एवं व्यापारी संघ प्रत्याशी गोपाल गर्ग जीजी मालवा की वैष्णोदेवी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मान्यता है कि मां भादवा ही भक्तों को बुलाती है, उनके बुलावे के बिना कोई भक्त नहीं पहुंच सकता। माताजी भक्तों को बुलाती है और देश के कौने-कौने से भक्त दर्शन के लिए पहुंचते है। कटरा की वैष्णोदेवी जैसी ही शक्ति व चमत्कार मां भादवामाता के है, इसलिए उन्हें मालवा की वैष्णोदेवी भी कहा जाता है। आज गुरूवार को सैकडों भक्त नए साल की शुरूआत करने के लिए मां भादवा के दरबार में पहुंचे। नीमच व्यापारी संघ अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी गोपाल जीजी ने चुनावी शंखनाद तेज कर दिया है।

समाजसेवी अशोक अरोरा पहुंचे सपरिवार- समाजसेवी अशोक अरोरा एक जनवरी को भादवामाता के दरबार में सपरिवार पहुंचे। सपत्नीक उन्होंने माताजी के दर्शन किए। नव वर्ष के अवसर पर भक्तों के लिए हलवा वितरण भी हुआ।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार अरुण राठौर पिता श्री रामचंद्र राठौर निवासी महूपुरा शाजापुर द्वारा नीतू पिता ओमप्रकाश व आशाबाई बेवा ओमप्रकाश निवासी विजय नगर शाजापुर से उनके स्वामित्व वाला विजय नगर आदिम जाति छात्रावास के पीछे स्थित मकान क्रमांक 26/28, जिसका भूमि सर्वे क्रमांक 135/3 व कुल क्षेत्रफल 660 वर्गफीट है, जिसकी चर्तुसीमा पूर्व में मुख्य मार्ग, पश्चिम में हिमांशु सोनी का मकान, उत्तर में संतोष सिंह का मकान व दक्षिण में भवानी शंकर का मकान स्थित है, को क्रय/हस्तांतरण करने का प्रस्ताव रखते हैं. यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा प्राधिकरण को उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का हक, दावा, स्वामित्व, बंधक, ऋण, लीज, चार्ज, उत्तराधिकार, न्यायालयीन वाद/विवाद, स्थगन आदेश अथवा अन्य कोई भी आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाश की तिथि से 7 दिन के भीतर लिखित रूप में वैध दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता अधिवक्ता के कार्यालय पते पर प्रस्तुत करें. निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर यह माना जाएगा कि उक्त सम्पत्ति पर किसी का कोई वैध अधिकार या आपत्ति नहीं है तथा मेरे पक्षकार सम्पत्ति का क्रय/रजिस्ट्री विधि अनुसार पूर्ण करने के लिए स्वतंत्र होंगे. इसके पश्चात भविष्य में की जाने वाली किसी भी आपत्ति के लिए मेरे पक्षकार उत्तरदायी नहीं होंगे.

दिनांक - 31.12.2025

जाहिर सूचना जारीकर्ता
प्रवीण कदम एडवोकेट
महूपुरा, शाजापुर म.प्र.
मो. 91719-36635

नापतौल विभाग ने जप्त किये असत्यापित इलेक्ट्रॉनिक्स तौल उपकरण और अमानक पैकेज बंद वस्तु

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह और नियंत्रक नापतौल म. प्र. भोपाल द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में नापतौल निरीक्षक भारत भूषण द्वारा उपभोक्ता हितों की रक्षा हेतु ग्राम सैलाना और ग्राम धराड़ में विशेष जांच का अभियान चलाया जिसमें दुकानों पर उपयोग हेतु रखे इलेक्ट्रॉनिक्स तौल उपकरणों और पैकेज बंद वस्तुओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण में अंशुल किराना स्टोर्स सैलाना, जोधपुर स्वीट कार्नर सैलाना, राज हार्डवेयर सैलाना, बादशाह किराना सैलाना, मुकेश ट्रैडर्स सैलाना, मुल्ला अब्देअलि मुल्ला कालाभाई सैलाना, जय किसान फर्टीलाईजर धराड़, वेदान्त ऑटो मोबाईल धराड़, आशापुरा रेस्टोरेन्ट धराड़, पाटीदार रेस्टोरेन्ट धराड़ दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक्स तौल उपकरणों और पैकेज बंद वस्तुओं को नियमानुसार नहीं पाये जाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स तौल उपकरणों और विक्रय हेतु प्रदर्शित करके रखे पैकेज वस्तुओं में अनियमित्ताऐं पाये जाने के कारण विधिक माप विज्ञान अधिनियम उल्लघंन और दण्डनीय होने से अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किये गये ।

उपरोक्त दुकानों मे 3 इलेक्ट्रॉनिक्स तौल उपकरण जप्त किए गए और अन्य पैकेज बंद वस्तुऐं। जांच के दौरान श्री कैलाशचन्द्र शर्मा, गोतमलाल मईड़ा, मोहनलाल खैर और मयंक गोयल उपस्थित थे।

सम्पादकीय

विनम्रता, सहजता के नेपथ्य में ताकतवर, शक्तिशाली भारत की भूमिका

भारत की सहायता और विनम्रता एवं किसी देश पर पहले से आक्रमण न करने की नीति और सिद्धांत हमारी कमजोरी कतई नहीं है इसके पीछे 141 करोड़ भारतवासियों की बहुत बड़ी शक्ति तथा सामर्थ्य छिपा हुआ है।अब भारत एक ऊर्जावान शक्तिशाली आर्थिक रूप से मजबूत एवं दृढ़ भारत बन चुका है, अब भारत आक्रमण ही रक्षा की नीति को अपना कर आगे अग्रसर हो रहा है। कोई पड़ोसी देश इस मुगालते में न रहे कि भारत विनम्र है इसका मतलब कमजोर नहीं है अब भारत किसी भी आतंकी आतताई के सीमा क्षेत्र में घुसकर आक्रमण कर सकता है और उसे संपूर्ण नष्ट करने की ताकत भी रखता है। भारत की की संस्कृति एतिहासिक काल से विनम्रता,सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए।

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति %अधजल गगरी छलकत जाए% की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही

बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर, पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फ़ल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्टीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष,ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है।

माया के प्रभाव से मुक्ति का सहज मार्ग - सहजयोग

मनुष्य का जीवन आज माया के प्रभाव से गहराई से प्रभावित है। भौतिक सुख-सुविधाएँ, पद, प्रतिष्ठा, धन और बाहरी आकर्षण मनुष्य को क्षणिक आनंद तो देते हैं, परंतु भीतर से उसे अशांत, असंतुष्ट और भ्रमित बना देते हैं। यही भ्रम माया कहलाता है जो सत्य से दूर और अस्थायी को स्थायी मानने की अवस्था है।

माया के प्रभाव में आकर मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप, यानी आत्मा को भूल जाता है। परिणामस्वरूप तनाव, भय, अहंकार, ईर्ष्या और मोह जैसे विकार जीवन में बढ़ते चले जाते हैं। आधुनिक समाज की अधिकांश समस्याओं की जड़ यही आंतरिक असंतुलन है।

ऐसे समय में सहजयोग एक सरल, स्वाभाविक और प्रभावी आध्यात्मिक मार्ग प्रदान करता है। परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी द्वारा स्थापित सहजयोग में कुंडलिनी शक्ति के जागरण द्वारा आत्म-साक्षात्कार कराया जाता है। यह आत्म-साक्षात्कार ही माया के प्रभाव से बाहर निकलने की वास्तविक कुंजी है।

जब कुंडलिनी जागृत होकर सहस्रार चक्र को भेदती है, तब साधक को विचार-रहित जागरूकता की अवस्था प्राप्त होती है। इस अवस्था में मनुष्य माया को पहचानने लगता है और उसके प्रभाव में बहने के बजाय साक्षी भाव में जीवन जीता है।

सहजयोग के नियमित ध्यान से-
मन शांत और संतुलित होता है
अहंकार और अति-भावुकता में संतुलन आता है
सही और गलत का विवेक जागृत होता है
आंतरिक आनंद और सुरक्षा की अनुभूति होती है

जब भीतर का आनंद जागृत होता है, तब बाहरी आकर्षण स्वतः ही महत्व खो देते हैं। यही माया से मुक्ति का सहज और स्थायी मार्ग है।

जो बोलते नहीं, वही बहुत कुछ रचते हैं

जब नववर्ष की चकाचौंध पीछे छूट जाती है और उत्सवों का कोलाहल धीरे-धीरे शांत होता है, तब 2 जनवरी की सुबह एक अलग प्रकार का बोध लेकर आती है। यह वह क्षण है जब समय स्वयं धीमा पड़ जाता है और मन भीतर की ओर मुड़ने लगता है। इसी मौन की पृष्ठभूमि में विश्व अंतर्मुखी दिवस अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है – ऐसा दिवस जो बाहरी शोर के विरुद्ध आंतरिक संतुलन की गरिमा को रेखांकित करता है। यह दिन उन व्यक्तित्वों का सम्मान है जिनकी शक्ति प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचार में निवास करती है; जो बोलने से पहले महसूस करते हैं और प्रतिक्रिया से पहले अर्थ खोजते हैं।

इस दिवस की परिकल्पना 2011 में जर्मन मनोवैज्ञानिक फेलिसिटास हाइने द्वारा की गई थी, ताकि नववर्ष के सामाजिक दबावों के पश्चात अंतर्मुखी व्यक्तियों को आत्मिक विश्राम का अवसर मिल सके। यह केवल विश्राम का दिन नहीं, बल्कि आत्म-पुनर्संयोजन का अवसर है – जहाँ व्यक्ति फिर से अपनी ऊर्जा को भीतर समेटता है। मानव व्यक्तित्व का एक बड़ा वर्ग अंतर्मुखी प्रवृत्ति लिए होता है, किंतु सामाजिक ढाँचे बहिर्मुखी अभिव्यक्ति को प्राथमिकता देते हैं। इसी असंतुलन के कारण अनेक शांत स्वभाव वाले लोग स्वयं को अनदेखा अनुभव करते हैं, जबकि उनका योगदान गहराई और स्थायित्व से परिपूर्ण होता है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अंतर्मुखिता मस्तिष्क की विशिष्ट सक्रियता से जुड़ी हुई अवस्था है। ऐसे व्यक्तियों का तंत्रिका तंत्र बाहरी उत्तेजनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, इसलिए वे सीमित वातावरण में अधिक सहज और संतुलित रहते हैं। डोपामिन जैसे रसायनों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया भिन्न होती है, जिससे वे आंतरिक शांति और एकांत में मानसिक स्पष्टता अनुभव करते हैं। यही विशेषता उन्हें विचारशील, विश्लेषणात्मक और दूरदर्शी बनाती है। अल्बर्ट आइंस्टीन का यह कथन कि शांत जीवन रचनात्मक चेतना को पोषित करता है, इसी मानसिक संरचना की पुष्टि करता है।

अंतर्मुखी स्वभाव केवल आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति नहीं, बल्कि संबंधों को गहराई देने वाली क्षमता है। ऐसे लोग संवाद को शब्दों की मात्रा से नहीं, अर्थ की गुणवत्ता से परखते हैं। वे सुनने को एक कौशल मानते हैं, न कि निष्क्रियता। उनकी मित्रताएँ सीमित हो सकती हैं, किंतु उनमें भरोसे और समझ की गहराई होती है। भावनात्मक स्तर पर वे सूक्ष्म संकेतों को पहचानने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मानवीय रिश्तों को स्थायित्व प्रदान करते हैं। यही कारण है कि उनके संबंध प्रायः कम लेकिन मजबूत होते हैं।

नेतृत्व की अवधारणा भी अंतर्मुखिता के साथ नया अर्थ ग्रहण करती है। प्रभावी नेतृत्व सदैव ऊँचे स्वर या प्रभावशाली भाषणों से नहीं उपजता। कई बार वह शांत विवेक, धैर्य और नैतिक स्पष्टता से आकार लेता है। इतिहास साक्षी है कि महात्मा गांधी, बिल गेट्स और बराक ओबामा जैसे व्यक्तित्वों ने बिना आक्रामकता के व्यापक परिवर्तन संभव किए। वे सुनते थे, विचार करते थे और फिर निर्णय लेते थे। उनकी शक्ति आत्मसंयम में थी, न कि प्रदर्शन में।

विश्व अंतर्मुखी दिवस यह भी स्मरण कराता है कि व्यक्तित्व कोई स्थिर खाँचा नहीं होता। अंतर्मुखिता और बहिर्मुखिता एक निरंतर प्रवाह के दो छोर हैं, जिनके बीच अधिकांश लोग स्थित होते हैं।

परिस्थितियों के अनुसार व्यक्ति अपने व्यवहार में लचीलापन दिखा सकता है। यही संतुलन जीवन को व्यावहारिक बनाता है। शांत स्वभाव वाले लोग प्रायः जोखिमों का विश्लेषण गहराई से करते हैं, विकल्पों को तौलते हैं और परिणामों पर विचार कर निर्णय लेते हैं। इस प्रवृत्ति के कारण वे दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं।

प्रकृति के साथ उनका संबंध भी विशेष होता है। शांत वातावरण, हरियाली और एकांत उन्हें मानसिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। जापान की 'वन-स्नान' जैसी परंपराएँ इस मानसिक संरचना से सामंजस्य रखती हैं, जहाँ प्रकृति के सान्निध्य में मन संतुलित होता है। यह अनुभव बताता है कि अंतर्मुखिता केवल मनोवैज्ञानिक नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ा दृष्टिकोण है – ऐसा दृष्टिकोण जो गति नहीं, गहराई को महत्व देता है।

शिक्षा और कार्यक्षेत्र में यदि इस प्रवृत्ति को समझदारी से स्थान दिया जाए, तो सृजनात्मकता का नया आयाम खुल सकता है। कक्षा में शांत बैठा विद्यार्थी अनुत्तरदायी नहीं, बल्कि विचारशील हो सकता है। कार्यालय में कम बोलने वाला कर्मचारी कम सक्रिय नहीं, बल्कि रणनीतिक सोच से परिपूर्ण हो सकता है। जब मूल्यांकन केवल अभिव्यक्ति की तीव्रता पर आधारित होता है, तब चिंतन की गुणवत्ता उपेक्षित रह जाती है। यह दिवस हमें दृष्टिकोण बदलने का आग्रह करता है।

विश्व अंतर्मुखी दिवस मौन की उस शक्ति की ओर संकेत करता है जो बिना शोर के परिवर्तन रचती है। यह दिन बताता है कि प्रभाव का अर्थ केवल दिखाई देना नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण होना है।

अंतर्मुखी व्यक्ति संसार को धीरे-धीरे, भीतर से बदलते हैं – अपने विचारों, मूल्यों और संवेदनशील निर्णयों के माध्यम से। इस दिवस पर हमें न केवल उनका सम्मान करना चाहिए, बल्कि अपने भीतर मौजूद उस शांत चेतना को भी पहचानना चाहिए, जो हमें अधिक संतुलित, विवेकशील और मानवीय बनाती है। क्योंकि अंततः, मौन में ही वह गहराई जन्म लेती है, जिससे सच्चा परिवर्तन संभव होता है।

-कृति आरके जैन

नूतन वर्ष नए सपने, नई उम्मीदें

नया वर्ष केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं है। यह हमारे जीवन में एक ठहराव की तरह आता है- जहाँ हम पीछे मुड़कर देखते हैं, वर्तमान को समझते हैं और भविष्य की दिशा तय करते हैं। हर नया साल अपने साथ नई उम्मीदें, नए संकल्प और नई संभावनाएँ लेकर आता है। यह वह क्षण होता है जब मनुष्य अपने भीतर झांकता है और स्वयं से यह प्रश्न करता है कि बीता वर्ष कैसा रहा, मैंने क्या सीखा, क्या खोया और आगे मुझे क्या बनना है।

आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी में हम अक्सर भागते रहते हैं–लक्ष्यों के पीछे, जिम्मेदारियों के बोझ तले और अपेक्षाओं की दौड़ में। ऐसे में नया वर्ष हमें यह अवसर देता है कि हम थोड़ी देर रुकें, सांस लें और अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करें। यह आत्ममंथन ही नए सपनों की नींव बनता है।

हर बीता वर्ष हमारे लिए एक शिक्षक की तरह होता है। उसमें सुख भी होते हैं, दुःख भी; सफलता भी मिलती है और असफलताएँ भी। लेकिन असली प्रश्न यह नहीं कि हमारे साथ क्या हुआ, बल्कि यह है कि हमने उससे क्या सीखा। कई बार हम बीते साल को केवल घटनाओं के आधार पर आंकते हैं–किसे खोया, क्या पाया–पर सीखों को नजरअंदाज कर देते हैं।

बीते वर्ष ने हमें धैर्य सिखाया होगा, किसी ने हमें आत्मनिर्भर बनाया होगा, तो किसी ने रिश्तों की अहमियत समझाई होगी। कुछ अनुभवों ने हमें मजबूत बनाया, तो कुछ ने हमें विनम्र। नया वर्ष तभी सार्थक बनता है जब हम इन सीखों को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं, न कि केवल पुराने दुखों या शिकायतों को ढोते हुए। नए साल की शुरुआत अक्सर बड़े-बड़े संकल्पों से होती है–यह करूंगा, वह बनूंगा, इतना हासिल करूंगा। लेकिन कुछ ही महीनों में ये संकल्प धुंधले पड़ने लगते हैं। इसका कारण यह है कि हमारे सपने कई बार दूसरों की अपेक्षाओं से प्रभावित होते हैं, न कि हमारे वास्तविक मन से निकले होते हैं। सपने वही सार्थक होते हैं जो हमारे मूल्यों से जुड़े हों। जो हमें भीतर से उत्साहित करें, न कि थका दें। नया वर्ष हमें यह सोचने का मौका देता है कि हमारे सपने दिखावे के हैं या दिशा देने वाले। क्या हम वही बनना चाहते हैं जो समाज चाहता है, या वह जो हमारी आत्मा चाहती है? सपने छोटे भी हो सकते हैं–जैसे खुद को स्वस्थ रखना, परिवार को समय देना, या खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालना। हर सपना बड़ा मंच या बड़ी पहचान नहीं मांगता; कई बार सबसे बड़ा सपना होता है–संतुलित और शांत जीवन। उम्मीदें अक्सर हम दूसरों से जोड़ लेते हैं–कि कोई बदले, परिस्थितियाँ सुधरें, सिस्टम ठीक हो जाए। लेकिन नया वर्ष हमें यह याद दिलाता है कि सबसे मजबूत उम्मीद वह होती है जो अपने भीतर से जन्म लेती है। जब हमें खुद पर भरोसा होता है, तब हालात चाहे जैसे हों, हम रास्ता निकाल लेते हैं। आंतरिक उम्मीद का अर्थ है–यह विश्वास कि मैं बदल सकता/सकती हूँ, मैं सीख सकता/सकती हूँ और मैं बेहतर बन सकता/सकती हूँ। यह उम्मीद हमें निराशा से बाहर निकालती है और असफलता के बाद भी खड़ा होने की ताकत देती है।

- डॉ सत्यवान सौरभ

वैश्विक अव्यवस्था में भारतीय विवेक की दस्तक

नववर्ष 2026 के साथ भारत द्वारा ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण किया जाना केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक निर्णायक संकेत है। ऐसे समय में जब विश्व युद्ध, ध्रुवीकरण, आर्थिक अनिश्चितता और संस्थागत अविश्वास के दौर से गुजर रहा है, भारत की यह भूमिका वैश्विक दक्षिण के लिए आशा और दिशा–दोनों का स्रोत बनकर उभरती है। यह अध्यक्षता भारत को न केवल अपनी नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देती है, बल्कि वैश्विक विमर्श को अधिक समावेशी, संतुलित और मानव-केंद्रित बनाने की जिम्मेदारी भी सौंपती है।

ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसका दृष्टिकोण प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और समाधान-उन्मुख है। ब्राजील से प्रतीकात्मक गेवेल प्राप्त करने के साथ भारत ने चार मूल स्तंभों–लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता–पर आधारित एजेंडा सामने रखा है। ये स्तंभ वर्तमान वैश्विक संकटों की जड़ों को संबोधित करते हैं। महामारी, युद्ध, आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं और जलवायु आपात स्थितियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना लचीली प्रणालियों के कोई भी अर्थव्यवस्था सुरक्षित नहीं रह सकती। भारत इसी अनुभव के आधार पर ब्रिक्स को अधिक सक्षम और अनुकूलनशील मंच के रूप में विकसित करना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मानवता पहले की सोच इस पूरी अध्यक्षता की वैचारिक रीढ़ है। यह दृष्टिकोण उस पारंपरिक शक्ति-राजनीति से अलग है जिसमें राष्ट्रों के संबंध केवल हितों और प्रभाव के आधार पर तय होते हैं। विस्तारित ब्रिक्स प्लस के दस सदस्य (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई, इंडोनेशिया) देश भौगोलिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत विविध हैं। ऐसे में भारत की भूमिका एक सेतु-निर्माता की है, जो मतभेदों को टकराव नहीं बल्कि संवाद में बदलने की क्षमता रखता है। वैश्विक दक्षिण की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाना भारत की प्राथमिकता रहेगी, ताकि विकासशील देशों की चिंताएं केवल सुनी ही नहीं जाएँ, बल्कि नीति निर्माण का आधार भी बनें।

आज की वैश्विक व्यवस्था व्यापार युद्धों, प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित है। ऐसे माहौल में भारत की संतुलित विदेश नीति विशेष महत्व रखती है। एक ओर वह रूस और चीन के साथ ऊर्जा, व्यापार और डिजिटल अवसंरचना में सहयोग को आगे बढ़ाता है, तो दूसरी ओर पश्चिमी देशों के साथ अपने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को भी बनाए रखता है। यह बहुस्तरीय कूटनीति भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। ब्रिक्स मंच पर इस संतुलन का उपयोग कर भारत यह दिखाना चाहता है कि सहयोग किसी एक ध्रुव के विरोध में नहीं, बल्कि साझा हितों के विस्तार के लिए हो सकता है।

एनडीबी (न्यू डेवलपमेंट बैंक) की भूमिका इस संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, परिवहन और सामाजिक विकास से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश बढ़ाकर यह बैंक विकासशील देशों को वैकल्पिक वित्तीय सहारा प्रदान करता है। भारत की अध्यक्षता में बैंक को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया जाएगा। इससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त होगी। यह प्रयास वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में संतुलन लाने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन आज केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह विकास, सुरक्षा और सामाजिक न्याय से जुड़ा केंद्रीय मुद्दा बन चुका है। भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान हरित वित्त, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्राथमिकता देगा। पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा करने की दिशा में भारत की प्रगति उसे नैतिक बढ़त प्रदान करती है। यही कारण है कि भारत जलवायु न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए यह तर्क देता है कि ऐतिहासिक रूप से कम उत्सर्जन करने वाले देशों पर असमान दायित्व नहीं डाला जाना चाहिए। ब्रिक्स मंच इस विमर्श को संस्थागत स्वर देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

तेजी से विकसित हो रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों के संदर्भ में भारत एक संतुलित और नैतिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। तकनीक का लाभ सीमित देशों या कॉरपोरेट समूहों तक सिमटने के बजाय समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह भारत की सोच का मूल है।

ब्रिक्स के भीतर एआई सहयोग, कौशल विकास और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के साझा मॉडल को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही ब्रिक्स वैक्सीन अनुसंधान एवं विकास केंद्र को सुदृढ़ कर भविष्य की महामारियों के प्रति सामूहिक तैयारी सुनिश्चित करने पर बल दिया जाएगा। वन अर्थ, वन हेल्थ का विचार इसी व्यापक मानवतावादी दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने का भारत का दृष्टिकोण व्यावहारिक और संतुलित है। इसका उद्देश्य किसी एक मुद्रा के वर्चस्व को चुनौती देना नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार को अधिक लचीला और सुरक्षित बनाना है। भारत यह स्पष्ट करता है कि डी-डॉलराइजेशन कोई वैचारिक अभियान नहीं, बल्कि विकल्पों के विस्तार की प्रक्रिया है। इसके साथ ही आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया जाएगा, ताकि विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके और वैश्विक शासन अधिक लोकतांत्रिक बन सके।

लोगों से लोगों के संपर्क को सशक्त बनाना भारत की अध्यक्षता का मानवीय पक्ष है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा कार्यक्रम, शैक्षणिक सहयोग, स्टार्टअप नेटवर्क और पर्यटन को बढ़ावा देकर ब्रिक्स को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित किया जाएगा।

नए सदस्य देशों के समुचित एकीकरण के लिए संस्थागत सुधार आवश्यक होंगे, ताकि निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, प्रभावी और सर्वसम्मति आधारित बन सके। इससे ब्रिक्स की आंतरिक एकता और वैश्विक विश्वसनीयता दोनों मजबूत होंगी।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह अध्यक्षता यह संदेश देती है कि वैश्विक नेतृत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, बल्कि साझेदारी, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व है।

सहयोग, नवाचार और सतत विकास के मूल्यों पर आधारित यह दृष्टिकोण वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को नई आवाज देता है। भारत एक ऐसे जिम्मेदार और दूरदर्शी नेता के रूप में उभरता है, जो न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है, बल्कि भविष्य की अधिक न्यायपूर्ण, संतुलित और मानव-केंद्रित विश्व व्यवस्था की नींव भी रखता है।

-प्रो. आरके जैन

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी।

दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़िलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है।

भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है।

हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा।

नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं। साथ ही 'स्वदेशी' के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए।

सामाजिक जीवन में भी नए संकल्पों की आवश्यकता है। नशा, दिखावा और आडंबर हमारी सामाजिक ऊर्जा को खोखला करते हैं। सादगी, संयम और मूल्यबोध को प्रोत्साहित करना समय की माँग है। विवाह और सामाजिक संस्कारों को बाज़ारू प्रदर्शन से मुक्त कर मानवीय संबंधों की गरिमा से जोड़ना होगा। यही नहीं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जल-संरक्षण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व-ये सभी नए साल के अनिवार्य संकल्प होने चाहिए। तकनीक और परंपरा के संतुलन के बिना इक्कीसवीं सदी का भारत आगे नहीं बढ़ सकता। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है, पर इस प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विकास का सही अर्थ वही है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सम्मानित और सुरक्षित महसूस करे।

2026 में हमें बड़े बदलाव के लिए छोटे-छोटे लेकिन ठोस कदम उठाने होंगे। नए संकल्पों के पौधे रोपने होंगे, विकास एवं विवेक के नए 'स्वास्तिक' रचने होंगे-पर इसके लिए मौसम और माहौल दोनों बनाना पड़ेगा। सकारात्मक सोच, सामाजिक विश्वास और राजनीतिक सद्भाव-यही वह वातावरण है, जिसमें परिवर्तन के बीज फलते-फूलते हैं। तैयारी के बिना संकल्प खोखले रह जाते हैं; इसलिए नीति, नियत और नियोजन-तीनों का समन्वय अनिवार्य है। अंततः नया साल 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास अवसर देता है, पर दिशा हमें स्वयं तय करनी होती है। यदि हम शांति को प्राथमिकता, लोकतंत्र को आचरण और समाधान को संस्कृति बना लें, तो यह वर्ष केवल एक कैलेण्डर नहीं, बल्कि एक युगांतकारी मोड़ सिद्ध हो सकता है।

-ललित गर्ग

दिल्ली जा रही एनसीसी साइकिल रैली देवास पहुँची

बाजीराव पेशवा पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुणे से प्रारंभ होकर दिल्ली जा रही एनसीसी पीएम साइकिल रैली गुरुवार को देवास पहुँची। 10 एमपी बटालियन एनसीसी उज्जैन एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देवास के संयुक्त तत्वावधान में रैली का भव्य स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम 10 एमपी बटालियन एनसीसी उज्जैन के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन कैप्टन डॉ. संजय गाडगे ने किया।

एनसीसी द्वारा आयोजित पीएम साइकिल रैली 2026 पुणे से दिल्ली तक संचालित की जा रही है। देवास शहर में रैली का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। इस साइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य बाजीराव पेशवा के ऐतिहासिक दिल्ली विजय अभियान की स्मृति को जनमानस में जागृत करना है। रैली में एनसीसी के 12 कैडेट्स शामिल हैं।

यह रैली ब्रिगेडियर सचिन गवली, ग्रुप कमांडर, अमरावती ग्रुप मुख्यालय (महाराष्ट्र) की निगरानी में संचालित हो रही है। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष दिलीप सिंह यादव एवं मनीष पारीक उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों के रूप में शहीद संजय मीना की धर्मपत्नी एवं पिता तथा जय हिंद फौज अकादमी के पूर्व सैनिक सदस्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.पी.एस. राणा द्वारा समस्त अतिथियों का शॉल, उत्तरीय एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर लगभग 200 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे, जिनमें नारायण विद्या मंदिर क्रमांक-1, उत्कृष्ट विद्यालय नारायण विद्या मंदिर क्रमांक 2, सेंट्रल इंडिया अकादमी, केपी कॉलेज देवास तथा विज्ञान महाविद्यालय देवास के कैडेट्स शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान साइकिल रैली के सदस्यों द्वारा बाजीराव पेशवा के जीवन वृत्त को लघु नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। साथ ही देवास जिले की विभिन्न एनसीसी इकाइयों के कैडेट्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। आयोजन को सफल बनाने में सूबेदार बलविंदर सिंह, सेकंड ऑफिसर श्री राधेश्याम सोलंकी, थर्ड ऑफिसर रामकुमार कुशवाहा, थर्ड ऑफिसर सुनील कुमार, देवास के डॉ. संदीप नागर, इको क्लब प्रभारी जितेंद्र सिंह राजपूत सहित अन्य का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन कैप्टन डॉ. संजय गाडगे ने किया तथा समापन अवसर पर कैप्टन संजय सिंह बरौनिया ने आभार प्रदर्शन किया। यह साइकिल रैली अपने उद्देश्य के साथ 2 जनवरी 2026 की प्रातः देवास से अगले पड़ाव के लिए रवाना होगी। कैप्टन डॉ. संजय गाडगे ने बताया कि रैली 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली पहुँचेगी, जबकि 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी रैली में सम्मिलित होने की संभावना है।

11 को मक्सी में होगा विराट हिंदू सम्मेलन

मक्सी में जुटेंगे 5000 से ज्यादा हिंदू, समरसता महाभोज होगा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी नगर में आगामी 11 जनवरी को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इसमें नगर और आसपास के क्षेत्रों से 5000 से अधिक हिंदू समाजजनों के शामिल होने की संभावना है। इसी दिन आयोजन स्थल पर सर्वधर्म समाज के हजारों हिंदुओं के लिए सामाजिक समरसता महाभोज का आयोजन एबी रोड, नई आबादी के सामने किया जाएगा।

सम्मेलन के लिए मक्सी में भूमिपूजन भी किया गया जहां सभी ने भारत माता की आरती भी की। वहीं सम्मेलन के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, जिससे नगर में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. वैजयंती दीक्षित के नेतृत्व में मातृशक्तियां सुबह से शाम तक घर-घर जाकर चावल देकर लोगों को आमंत्रित कर रही हैं। यह पारंपरिक निमंत्रण पद्धति सामाजिक एकता और सहभागिता का संदेश दे रही है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक शेखर पटेल, सह संयोजिका डॉ. वैजयंती दीक्षित, विनोद लोधी और अर्जुन पाटीदार के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य समाज में जागरूकता, संगठन और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं के विचार, सामाजिक विषयों पर चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सुबह और शाम निकल रही फेरियां, समाजजनों को कर रहे जागरूक- विराट हिंदू सम्मेलन को सफल बनाने के लिए न सिर्फ आमंत्रण दिए जा रहे हैं। बल्कि हिंदुओं में धर्म का अलख जगाने के लिए आयोजक और संगठन के पदाधिकारी सुबह 5 बजे भजन-कीर्तन करते हुए प्रभात फेरी और संध्याकालीन फेरी निकाल रहे हैं। वे लोगों को अधिक संख्या में सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गुरुवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वादशी तिथि के उपलक्ष्य में आयोजकों ने जुलूस निकालकर 11 जनवरी को होने वाले विराट हिंदू संगम स्थल का भूमिपूजन किया और देवालयों में प्रभु श्री राम जी की आरती भी की।

नववर्ष 2026: मंदिरों में दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 नई उम्मीदें लेकर आया इसी आशा के साथ शहरवासियों ने नए वर्ष के पहले दिन की शुरुआत देवालयों में भगवान के दर्शन कर की। वैसे तो नए वर्ष का स्वागत सभी लोग अलग-अलग तरह से करते है। हालांकि ज्यादातर लोग नए साल के पहले दिन भगवान के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद लेकर नए साल का स्वागत कर पूरा साल अच्छी तरह सुख-समृद्धि के साथ बीते ऐसी कामना करते हैं। नववर्ष के पहले दिन लोगों ने शहर सहित आसपास के मंदिरों का रूख किया। गुरूवार को सुबह से मंदिरों में लोगों की भीड़ लगना शुरु हो गई थी। शहर की प्रसिद्ध माता टेकरी, बिलावली महाकाल मंदिर, बांगर स्थित दत्त मंदिर, नागदा गणेश मंदिर, खेड़ापति मारुति मंदिर, श्री खाटू श्याम मंदिर, श्री सांवलिया सेठ मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर भक्तों का दिनभर सैलाब उमड़ता रहा। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। मंदिर परिसरों में अतिरिक्त पुलिस बल और सीसीटीवी निगरानी तैनात रही। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग और सुचारु दर्शन व्यवस्था बनाई गई, जिससे दर्शन शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

माता टेकरी पर लगती रही कतारें- नवरात्रि पर जिस तरह का नजारा माता टेकरी पर देखने को मिलता है। उसी तरह का नजारा वर्ष-2026 के पहले दिन टेकरी पर देखने को मिला। सीढ़ी मार्ग और रपट मार्ग पर तडके सुबह से भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। सुबह से लेकर शाम तक लाखों भक्तों ने माता रानी मां चामुण्डा व तुलजा भवानी के दर्शन किए।

शहर में सभी नागरिकों को स्वच्छ जल प्राप्त हो, इसको लेकर महापौर ने की समीक्षा बैठक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने शहर में शुद्ध पीने के पानी को लेकर निगम के जल प्रदाय विभाग के अधिकारी एवं जल वितरण में लगे सभी कर्मचारी और सुपरवाइजरों के साथ आहूत बैठक में विस्तृत चर्चा की। महापौर ने शहर में जल वितरण पर पूरी तरह से जानकारी लेते हुए प्रत्येक वार्ड से सुपरवाइजर के द्वारा किसी भी प्रकार का गंदे पानी की शिकायत या वितरण में कोई समस्या है उस पर जानकारी लेते हुए दिशा निर्देश दिए. महापौर ने शहर में जल वितरण में लगे सभी सुपरवाइजरों से पृथक पृथक से वार्डों की जानकारी ली जिसमें कुछ वार्डों में कुछ स्थानों पर गंदे पानी की शिकायतें प्राप्त हो रही है या हुई है, उस पर किए जा रहे हैं कार्यों की भी समीक्षा की।

शहर में किये जा रहे जल वितरण का समय भी पूछा समय पर जल वितरण हो रहा है, कुछ वार्डों में गंदे पानी की शिकायत प्राप्त होने पर उस समस्या का निराकरण हुआ, उस पर तथा शुद्ध जल वितरण समय पर, दिए जाने के लिए कर्मचारी एवं अधिकारियों को महापौर ने बधाई भी दी, कुछ वार्डों में पानी का प्रेशर सही नहीं होने से पानी के प्रेशर को सुधारे जाने हेतु कहा । महापौर ने तीन दिवस में शहर की सभी जल वितरण वाली पानी की टंकियों को साफ करने हेतु कार्यपालन यंत्री एवं आई.एच.पी. कंपनी को निर्देश देते हुए दी गई समय अवधि में, सभी टंकियां साफ हो जाने की जानकारी से अवगत कराने हेतु कार्यपालन यंत्री को कहा। सभी सुपरवाइजर को अपने-अपने वार्ड क्षेत्र में खुले प्लाटों में ओपन कनेक्शन या सड़क किनारे पर ओपन नल कनेक्शन हो तो उसे बंद करने के निर्देश भी दिए. अवैध नल कनेक्शनों को वैध करने की कार्रवाई के लिए महापौर ने 15 दिवस निर्धारित किया है ,15 दिवस में अधिक से अधिक अवैध कनेक्शनों को वैध करने तथा उसकी प्रगति रिपोर्ट समक्ष में प्रस्तुत करने हेतु सभी वार्ड उपयंत्री एवं सुपरवाइजरों को कहा। जिन घरों के सामने नल कनेक्शन के अगर गड्ढे हैं तो वहां लाइन सुधार कार्य कर गड्ढे भरवाने को कहा, ताकि उसमें एकत्रित पानी से लाइनों में गंदा पानी नहीं जावे। साथ ही वार्डों में डाली जा रही अमृत 2.0 .की लाइन पर भी चर्चा करते हुए उसमें हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शीघ्र कार्य कराने हेतु दिशा निर्देश दिए. अमृत2.0 की डाली जा रही लाइन में लेबलिंग तथा नागरिकों को दिए जा रहे हैं नल कनेक्शन पर भी आक्रोश व्यक्त किया, कंपनी के द्वारा नागरिकों को दिए जा रहे नल कनेक्शन में अतिरिक्त राशि लिए जाने की शिकायत महापौर को प्राप्त हुई, उस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए महापौर ने सख्त लहजे में व्यवस्था सुधार के लिए अधिकारियों को तथा कंपनी के टीम लीडर को निर्देश दिए, आगामी दिनों में इस प्रकार की कोई समस्या प्राप्त होती है तो कंपनी पर कार्रवाई की जाने के निर्देश कार्यपालन यंत्री इंदु प्रभा भारती को दिए ।

अमृत 2.0 के अंतर्गत वार्ड में डाली जा रही लाइनों में री रेस्टोरेशन का कार्य गुणवत्ता से हो . गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई की जाने के निर्देश कार्यपालन यंत्री को दिए। अमृत 2,0 के अंतर्गत बान्कों की टीम निगम के शर्तों के अनुकूल कार्य समय पर नहीं कर रही है और उनके प्लंबरों के द्वारा किए जा रहे नल कनेक्शन में अतिरिक्त राशि लिए जाने की प्राप्त शिकायत पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निराकरण किया जाने के भी निर्देश दिए । बैठक के दौरान महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल के साथ विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल एवं कार्यपालन यंत्री इंदु प्रभा भारती सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी दिनेश चौहान के साथ क्षिप्रा स्थित ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान लैब में पानी के शुद्धिकरण को लेकर पानी में डाली जा रही ब्लीचिंग, एलम, की मात्रा की भी जानकारी ली, तथा महापौर ने लेब में पानी की जांच हर दो घण्टे में करने के पश्चात ही पानी सप्लाय किया जाने हेतु कहा। शहर की जनता को पीने का पानी शुद्ध एवं साफ सुथरा मिले इस हेतु कार्यपालन यंत्री इंदु प्रभा भारती को निरंतर मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए।

नेशनल हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के करेड़ी नाका के पास नेशनल हाईवे-52 पर गुरुवार सुबह सड़क हादसा हो गया। यहां दो आयशर ट्रकों के बीच टक्कर हुई। जानकारी के अनुसार सड़क किनारे खड़े एक आयशर ट्रक को पीछे से आ रहे दूसरे तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे से टकराने वाले ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद दोनो वाहनों के चालक फरार हो गए।

हादसे में किसी प्रकार की जनहानि या गंभीर चोट की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही यातायात थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला और लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुनसिंह मुजाल्दे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हालांकि मौके पर दोनों आयशर ट्रकों के चालक मौजूद नहीं मिले। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार सड़क किनारे खड़े आयशर ट्रक में पीछे से आ रहे तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने टक्कर मारी थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दोनों ट्रक कहां से आ रहे थे और कहां जा रहे थे। हादसे के कारण सारंगपुर से मक्सी की ओर जाने वाला हाईवे मार्ग कुछ समय के लिए बाधित हो गया था। यातायात को सुचारू करने के लिए क्रेन बुलवाकर क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क किनारे हटाया जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

कलेक्टर ने किया ग्राम कुड़ाना के जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण

किसानों की प्रशंसा करते हुए लाभ व उत्पादन के बारे में भी जुटाई जानकारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना ने मोहन बड़ोदिया विकासखंड के ग्राम कुड़ाना में जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस खेती के बारे में संपूर्ण जानकारी जुटाई।

कलेक्टर ने ग्राम कुड़ाना के कृषक शिवनारायण शर्मा एवं अशोक शर्मा के जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र में की जा रही जैविक खेती- गेहूं, प्याज, आलु, तुअर, हल्दी, धनिया आदि एवं तैयार किये जा रहे जीवामृत, धनजीवामृत, निमास्त्र ब्रह्मास्त्र एवं मदर कल्चर संजीवनी खाद, केचुआ खाद, गोबार खाद तथा संचालित कच्ची घानी मशीन, वाटर रिर्चाजिंग सिस्टम, प्याज भण्डारण विधि तथा 100 फलदार पौधें की रोपणी आदि का भी निरीक्षण कर उक्त कृषकों से अपनायी जा रही तकनीक, लागत एवं इससे होने वाले लाभ आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इन कृषकों द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र में किये जा रहे कृषि कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि उक्त कृषकों के प्रयासों से न केवल क्षेत्र में बल्कि पूरे शाजापुर जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने जैविक एवं प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि आगामी समय में प्राकृतिक खेती अंतर्गत जिले में बीआरसी का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से लगभग जिले के 250 कृषक जुड़कर प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों एवं पद्धतियों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जैविक प्रमुख कृषक श्री शर्मा एवं प्राकृतिक खेती मास्टर ट्रेनर अशोक शर्मा ने बताया कि उनके द्वारा लगभग 12 एकड़ क्षेत्रफल में जैविक एवं प्राकृतिक खेती अंतर्गत गेहूं की एचआई 1544 (पूर्णा), एचआई 1636 किस्म तथा आलू की टोरस एवं ज्योति किस्म, हल्दी की सेलम एवं सभी प्रकार कि सब्जियों एवं फलो की खेती कर फसल विविधीकरण अपनाया जा रहा हैं। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अंतर्गत प्रस्तावित बायो इनपुट रिर्सोस सेंटर (ठत्ब) जिसमें वर्तमान में प्राकृतिक खेती यूनिट डॉ. डी.के. तिवारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र के मार्गदर्शन में जीवामृत, धनजीवामृत, निमास्त्र ब्रह्मास्त्र एवं मदर कल्चर संजीवनी खाद तैयार की जा रही है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र से वैज्ञानिक डॉ डी.के. तिवारी, उप संचालक कृषि आरएल जामरे, परियोजना संचालक आत्मा डॉ. स्मृति व्यास, वरिष्ठ कृ.वि.अ. अमित यादव, कृषि विस्तार अधिकारी आर लंकेश एवं किसान उपस्थित थे।

किसी ने पिकनिक तो किसी ने देवदर्शन से की नववर्ष की शुरूआत

देर रात तक चला डीजे की थाप पर थिरके नगरवासी, सुबह से शाम तक लोगों ने दी एक-दूसरे को बधाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में 2025 की विदाई और 2026 का स्वागत जोरदार तरीके से किया गया। 31 दिसंबर की रात को लोगो ने देर तक जश्न मनाया। तो सुबह होते ही लोगों ने मंदिर पहुंचकर ईश्वर से पूरे साल के लिए प्रार्थना की। वहीं बुधवार को भी लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर व गले मिलकर एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

वर्ष 2025 विदा हो चुका है और 2026 दस्तक दे चुका है। जिसका स्वागत लोगों ने आतिशबाजी कर मनाया। जैसे ही घड़ी के कांटे मिले आसमान सतरंगी हो गया तो लोग भी एक हो गए और जमकर उत्साह के साथ एक-दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। इसके अलावा गुरूवार को भी लोगों ने अपने मित्रों और रिश्तेदारों के साथ शहर के पिकनिक स्पॉट पहुंचकर इस दिन को खास बनाया। तो कई लोगों ने पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पुलिस ने देर रात तक की चेकिंग- नए साल को शांत और सुरक्षित बनाने के लिए शाजापुर यातायात पुलिस ने बुधवार रात से सख्त अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत शहर में हुड़दंग करने वालों और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इस दौरान यातायात पुलिस ने शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जांच प्वाइंट बनाए जहां वाहनों को रोककर उनकी जांच की गई। पुलिस की यह मुहिम ÷रोको-टोको÷ अभियान के नाम से चलाई जा रही है। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों की सघन जांच की गई और सभी को समझाईश दी गई कि वे नशे की हालत में वाहन न चलाएं। चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, ट्रैफिक नियम तोड़ने और तेज या अतिरिक्त हेडलाइट लगाने वालों पर चालानी कार्रवाई भी की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सेवानिवृत्त सैनिक की मौत

ग्राम पनवाड़ी के पास हुआ हादसा, शव सौंपा परिजनों को

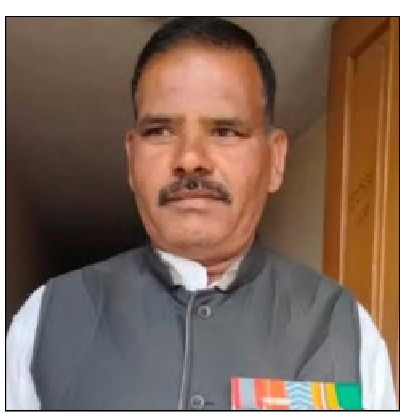

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पनवाड़ी निवासी एक सेवानिवृत्त सैनिक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम शव का पीएम करवाया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार पनवाड़ी निवासी मदनलाल (55) रोज की तरह सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान हाईवे पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मदनलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सुनेरा थाना क्षेत्र की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची। डायल 112 के पायलट राजेश और प्रधान आरक्षक बैजनाथ ने घायल मदनलाल को सुबह करीब 7 बजे शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है।

आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक मदनलाल सेना से सेवानिवृत्त थे।

उनकी अचानक हुई मौत से परिवार में शोक का माहौल है। सुनेरा पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुट गई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

कलेक्टर ने आष्टा जनपद के अनेक गांवों में पहुंचकर देखी योजनाओं की जमीनी हकीकत

पराली न जलाएं किसान, जल का करें संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आष्टा जनपद के ग्राम मालीपुरा, पगारिया राम, हकीमपुर, खड़ीहाट और चन्नोटा पहुंचकर फार्मर रजिस्ट्री कार्य एवं नवनिर्मित पंचायत भवन सहित अनेक शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों एवं गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, फार्मर रजिस्ट्री, ÷एक बगिया मां के नाम÷ योजना, मॉडल पंचायत भवन, पेयजल व्यवस्था सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम मालीपुरा में मात्र 13त्र फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य होने के कारण लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित पटवारी पर नाराजगी व्यक्त की और शेष कार्यों को इसी माह पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पगारिया राम पहुंचकर भी फॉर्मर रजिस्ट्री एवं पीएम आवास के कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों से अवगत भी कराया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य एक माह के भीतर शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए और यदि समय सीमा में कार्य पूर्ण नही होता है तो संबंधित तहसीलदार संबंधित पटवारियों के विरुद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी-कर्मचारी जवाबदेही के साथ कार्य करें।

उन्होंने ग्राम हकीमपुर पहुंचकर नवनिर्मित मॉडल पंचायत भवन का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी। इसके साथ ही उन्होंने पराली न जलाने के सम्बन्ध में किसानों से चर्चा की और किसानों को पराली जलाने के नुकसानों बारे में भी बताया। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से कहा कि किसान उद्या?निकी एवं अधिक लाभ देने वाली विविध फसलों का उत्पादन भी करें, इससे उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि फसलों की सिंचाई के लिए पानी का संतुलित और विवेकपूर्ण ढ़ंग से उपयोग करें।

भक्ति पथ नहीं है, बल्कि भक्ति लक्ष्य है, जिसे हमें पाना है

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आनंद नगर पुरुलिया में 30,31 दिसम्बर 2025 व 01 जनवरी 2026 को आनंद मार्ग प्रचारक संघ का विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन सम्पन्न हुआ। उक्त सम्मेलन में आध्यात्मिक लाभ लेने के देवास से दीपसिंह तवर, उज्जैन से डॉ अशोक शर्मा, इंदौर से अरविंद सुगंधी, गोपालसिंह कुशवाह, रेहटी से बालकृष्ण माहेश्वरी, अभिवृत्त माहेश्वरी वहाँ पर उपस्थित रहे। आनंद मार्ग प्रचारक संघ के पुरोधा प्रमुख श्रद्धेय आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत ने कहा कि राधाभक्ति का चरम भाव प्रभु! तुम सिर्फ मेरे हो और मेरे होकर ही रहोगे। भक्ति की अवस्थाओं के भेद विषय पर कहा कि भक्ति अनेक रूपों में अभिव्यक्त होती है। इसका मूल है श्रद्धा, और श्रद्धा का आधार है प्रेम। प्रेम का अर्थ है अखंड सत्ता के प्रति आकर्षण। यदि हम प्रेम नहीं करते, तो श्रद्धा भी नहीं हो सकती। भक्ति की दूसरी अवस्था में भक्त का प्रेम तीव्र हो जाता है।अन्यथा मन विषय-रस में डूब जाता है। तीसरी अवस्था है विरह अर्थात परमपुरुष के अभाव में जो पीड़ा उत्पन्न होती है, वही विरह है। चौथी अवस्था है राधाभक्ति जब जीव का चित्त सभी विषयों से हटकर केवल परमपुरुष की ओर केन्द्रित हो जाता है। वह कहता है हे प्रभु! जगत में मुझे कुछ नहीं चाहिए, केवल तुम्हीं चाहिए। जब साधक का प्रेम इतना प्रगाढ़ हो जाता है ऐसी स्थिति को ही राधा-भाव कहा जाता है। अतः साधक को प्रति मुहुर्त राधा-भाव में स्थापित होकर साधना करनी चाहिए। भक्ति पथ नहीं है बल्कि भक्ति लक्ष्य है जिसे हमें प्राप्त करना है साधारणत लोग ज्ञान और कर्म के साथ भक्ति को भी पथ या मार्ग ही मानते हैं परंतु ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि जीवन में जितने भी अनुभूतियां होती भक्ति की अनुभूति सर्वश्रेष्ठ है। ज्ञान मार्ग और कर्म मार्ग के माध्यम से मनुष्य भक्ति में प्रतिष्ठित होते हैं। और बाबा कहते हैं कि भक्ति मिल गया तो सब कुछ मिल गया तब और कुछ प्राप्त करने को कुछ नहीं बच जाता। भक्ति आ जाने पर मोक्ष यूं ही प्राप्त हो जाता है । भक्त और मोक्ष में द्वंद होने पर भक्त की विजय होती है मोक्ष यूं ही रह जाता है पुरोधा प्रमुख ने कहा कि परमात्मा कहते हैं की मैं भक्तों के साथ रहता हूं जहां वे मेरा गुणगान करते हैं कीर्तन करते हैं 'परम पुरुष के प्रति जो प्रेम है उसे ही भक्ति कहते हैं।

अथक परिश्रम एवं समन्वित प्रयासों से चरितार्थ करें देशभक्ति-जनसेवा का आदर्श वाक्य : पुलिस महानिदेशक

पुलिस महानिदेशक का पुलिसकर्मियों के लिए नववर्ष-2026 के लिए संदेश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष 2026 के अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा द्वारा पुलिस कर्मियों के लिए शुभकामना संदेश जारी किया गया। यह शुभकामना संदेश केवल औपचारिक बधाई नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश पुलिस के लिए आत्ममंथन, सम्मान और भविष्य की कार्ययोजना का स्पष्ट दस्तावेज है। यह संदेश उस सामूहिक परिश्रम की सार्वजनिक स्वीकृति है, जिसके बल पर वर्ष 2025 मध्यप्रदेश पुलिस के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों का वर्ष बना।

पुलिस महानिदेशक ने अपने संदेश में वर्ष 2025 को टीमवर्क, नवाचार और संवेदनशील पुलिसिंग का प्रतीक बताया। उन्होंने अपने संदेश में उल्लेख किया कि प्रदेश को नक्सलमुक्त बनाने, डायल-112 कियान्वयन, रिक्त पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया, जनसुनवाई, ई-आफिस, नारकोटिक्स ड्रग्स के विरूद्ध ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ जागरूकता अभियान की अभूतपूर्व सफलता, सायबर फ्रॉड से बचाव हेतु सेफ क्लिक जागरूकता अभियान, पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं फिटनेस हेतु हार्टफुलनेस संस्था से एम.ओ.यू., v" Change Maker Award, e-HRMS प्रारंभ करने हेतु सार्थक प्रयास, रू. एक लाख से अधिक की सायबर फॉड शिकायतों में ई-जीरो एफ.आई.आर., कार्यप्रणाली में सुधार हेतु लंबी अवधि से एक ही थाने में पदस्थ 11,000 से अधिक पुलिस कर्मियों के एक सप्ताह में स्थानांतरण आदि महत्वपूर्ण हैं। रिकार्ड संख्या में हजारों गुम अवयस्क बालिकाओं को मध्यप्रदेश पुलिस ने विशेष प्रयासों से खोजा है। इन सफलताओं में आप सभी का बहुमूल्य योगदान रहा है। पुलिस महानिदेशक नेसंदेश में लेख किया कि सभी महत्वपूर्ण अपराधों में त्वरित पतासाजी, गिरफ्तारी, समस्त त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन में अथक परिश्रम किया है। अच्छे कार्यों के करने पर मनोबल बढ़ाने हेतु मेरे स्तर से तत्काल संज्ञान लेते हुए बड़ी संख्या में त्वरित एवं उचित ईनाम भी दिए गए हैं। वर्ष 2026 में अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए श्री मकवाणा ने कहा कि यातायात दुघर्टनाओं पर नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा हेतु नव वर्ष में योजनाबद्ध तरीके से और सक्रियता जरूरी है। सायबर फ्रॉड के नवीन तरीकों को दृष्टिगत रखते हुए Capacity Building समय की आवश्यकता है। Basic Policing के साथ ही नवीन तकनीकी, AI का उपयोग, मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध और अधिक कड़ी कार्यवाही, Social Media में तथ्यों की त्वरित प्रस्तुति तथा पुलिस के अच्छे कार्य प्रचारित किए जाना चाहिए। सिंहस्थ 2028 के सफल एवं सुरक्षित आयोजन हेतु तैयारियों में और तेजी लाई जाए। डीजीपी ने अपेक्षा की है किपुलिस थाना विभाग की मूलभूत इकाई है, जहाँ बड़ी संख्या में आमजनों का दिन-प्रतिदिन पुलिस से सम्पर्क होता है। थाना स्टाफ द्वारा उत्तम चरित्र एवं आचरण का प्रदर्शन, पीड़ितों एवं आवेदकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार एवं त्वरित कार्यवाही की जाए। आमजन की सहभागिता एवं उनका विश्वास अर्जित करना भी हमारा ध्येय होना चाहिए। महिलाओं एवं बच्चों के प्रति भी संवेदनशीलता बरतते हुए उनके विरूद्ध घटित अपराधों में तत्काल कड़ी कार्यवाही की जाना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी पुलिस कर्मचारियों के कल्याण के लिए संवेदनशील हैं एवं विभाग के कई प्रस्तावों में शासन स्तर से त्वरित स्वीकृतियाँ प्राप्त हुई हैं। नववर्ष की प्रात~ बेला में पुलिस महानिदेशक द्वारा जन गण मन एवं वंदे मातरम गायन के साथ पुलिस मुख्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष संदेश वाचन करते हुए स्टॉफ के साथ स्वल्पाहार लेते हुए सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई।

युवा पत्रकार मंच द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा पत्रकार मंच द्वारा प्रकाशित नव वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन बस स्टैंड पर सादे समारोह में किया गया।इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार जगजीवनसिंह पंवार, शेखर यादव, नईम खान, नितेश शर्मा, मुकेश उपाध्याय, उमेश सोलंकी,एम पी शर्मा एडवोकेट,जयराज सिंह ऊमठ,राजेश भाटी निक्की बना मौजूद थे। युवा पत्रकार मंच के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता ने बताया कि मंच द्वारा लगातार 11 वर्षों से कैलेंडर प्रकाशित किया जा रहा है। जिसमें 12 माह के तीज त्यौहार व शासकीय छुट्टियों एवं महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि के साथ ही पंचांग व दिन-रात के चौघड़िया एवं शुभ मुहूर्त आदि की जानकारी का समावेश किया गया है। हर वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी कैलेंडर का निशुल्क वितरण किया जाएगा।

नवीन वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की नई किरण लेकर आए

रायसेन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर जिलेवासियों, अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी के स्वास्थ्य, उन्नति और समृद्धि की मंगल कामना करते हुए कहा कि यह नवीन वर्ष नए संकल्पों, नई ऊर्जा और नए अवसरों का प्रतीक है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, अधोसंरचनाएं सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यो में तेजी लाकर जिले की विकास की गति बढ़ाई जाएगी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर और अधिक सुगमता से आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नवीन वर्ष सभी के जीवन में जोश, उम्मीद और सफलता की नई किरण लेकर आए। आपके परिवार में भी सुख समृद्धि मिले, सफलता मिले और सभी परिवारजन भी सुखद रहें। इस नववर्ष में अपने दायित्वों, कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग रहें तथा और अधिक ऊर्जा के साथ जिले के विकास के लिए कड़ी मेहनत, लगन के साथ कार्य करें।

उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा कि सुशासन की दिशा में हमें मिलकर कार्य करना है। आमजन के लिए अपने कार्यालय के अनुभव हम किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस दिशा में कार्य करें।

सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका है, योजनाओं के क्रियान्वयन में ध्यान दें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि समय प्रबंधन बेहतर होगा तो कार्य भी सुगमता से होंगे। अधिकारी, कर्मचारी अपनी डेस्क के कार्यो की प्राथमिकता तय करें और कार्यो को गति दें। कार्यालय में अनुशासन रहे, बैठक व्यवस्था, रिकार्ड संधारण व्यवस्थित हो।

एस आई छत्रपाल सिंह पंवार के विदाई समारोह में क्षेत्र वासियों का जनशैलाब

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई पुलिस थाना सहित शाजापुर जिले में पुलिस विभाग में पिछले 39 वर्षो से सेवा का समर्पण कर रहे हैं एस आई छत्रपाल सिंह पवार का सेवानिवृत होने के बाद आज पुलिस थाना सलसलाई परिसर में विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया था उक्त विदाई समारोह आयोजन में पुलिस थाना सलसलाई सहित जिले के अनेक पुलिस थानों से पुलिस स्टाफ बड़ी संख्या में मौजूद रहे यह सभी क्षेत्रवासियों ने दिल खोलकर विदाई समारोह में शामिल हुए और पुष्प वर्षा से एवं फूलमाला पहनाकर साफ़ बांधकर सेवानिवृत श्री पवार का स्वागत किया अतिथि के रूप में बेरछा एसडीओ एवं पुलिस थाना सलसलाई के थाना प्रभारी जनक सिंह रावत जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह सिसोदिया मौजूद थे जहां श्री पावर 39 साल के कार्यकाल पर सभी अतिथियों ने प्रकाश डाला पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरज सिंह सिसोदिया पूर्व जिला उपाध्यक्ष भगवत सिंह मंडलोई हेमंत मेवाड़ा जीवन सिंह परमार आदि ने अपना उद्बोधन में छत्रपाल सिंह जी पवार कार्यकाल की सहराहना की मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के आनंद सिंह मेवाडा रोशन मेवाड़ा किशोर नाथ राजगुरु देवी सिंह मेवाडा पत्रकार अमर सिंह मेवाडा ने भी स्वागत किया।

देपालपुर नगर मे हिंदू सम्मेलन के लिए कार्यालय का शुभारंभ

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में 11 जनवरी को होने वाले हिंदू सम्मेलन की व्यापक तैयारियां शुरु हो गई है। हिंदू सम्मेलन के लिए कार्यालय का शुभारंभ गुरुवार को नगर के बेटमा रोड में गणेश पूजन व भारत माता पूजन के साथ किया। गणेश पूजन व भारत माता पूजन में मौजूद समस्त हिंदू समाज के समाज प्रमुखों ने पूजन ओर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यालय का शुभारंभ किया। इसकी के साथ कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित और संपन्न करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने प्रतिदिन शाम 7 बजे कार्यालय में बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं संबंधी चर्चा करने का निर्णय लिया।

नववर्ष 2026 में माँ नर्मदा को स्वच्छ रखने की नई शुरुआत, गंदे नालों पर लगेगा अंकुश

डिण्डोरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में माँ नर्मदा के उद्गम पश्चात प्रथम प्रवेश नगर डिण्डौरी में नगरीय क्षेत्र से नर्मदा नदी में मिल रहे गंदे नालों को रोकने की दिशा में शासन द्वारा की गई महत्वपूर्ण एवं बहुप्रतीक्षित पहल की जानकारी दी गई। इस समस्या को लेकर श्रद्धालुओं, नर्मदा परिक्रमावासियों, जनप्रतिनिधियों एवं नगरवासियों में लंबे समय से आक्रोश एवं चिंता व्याप्त थी। इस गंभीर विषय को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं प्रमुख अभियंता एम.पी.यू.डी.सी., भोपाल को बार-बार नगर की समस्याओं से अवगत कराया गया। साथ ही ए.सी.एस. महोदय को डी.ओ. पत्र के माध्यम से भी इस विषय की विस्तृत जानकारी प्रेषित की गई।

शासन द्वारा समस्या को विशेष संज्ञान में लेते हुए 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से परियोजना स्वीकृत की गई है। परियोजना के अंतर्गत माँ नर्मदा के प्रवाह मार्ग के बाएँ तट से मिलने वाले कुल 07 नालों को रोके जाने का कार्य किया जाएगा। इनमें चन्द्रविजय कॉलेज, ईमलीकुटी, रेहली मोहल्ला, गायत्री मंदिर, नर्मदा पुल, नर्मदा पुल एवं मंदिर के मध्य स्थित नाला तथा श्मशान घाट के पास स्थित नाला शामिल हैं। परियोजना के अंतर्गत नालों पर रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाएगा। साथ ही चन्द्रविजय कॉलेज एवं श्मशान घाट के पास लिफ्टिंग पम्पिंग स्टेशन का निर्माण कर नालों के पानी को सीवर लाइन से जोड़ते हुए आर.टी.ओ. कार्यालय के पास पूर्व से संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाएगा। शुद्ध किए गए पानी का उपयोग खेती-बाड़ी एवं अन्य व्यावसायिक कार्यों में किया जा सकेगा।

07 नालों में से 02 नालों में लिफ्टिंग पम्पिंग सिस्टम तथा 05 नालों में ग्रेविटी आधारित प्रणाली से कार्य किया जाएगा। स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत नववर्ष के प्रारंभ से ही मेसर्स जे.एम. रमानी एण्ड कम्पनी द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। आवश्यक मशीनें कार्यस्थल पर पहुँच चुकी हैं। परियोजना को 03 माह में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नर्मदा जयंती के पूर्व प्रथम चरण में 03 नालों को नर्मदा नदी में मिलने से रोकने का प्रयास किया जाएगा। प्रेस वार्ता में कलेक्टर ने बताया कि आगामी समय में नर्मदा के प्रवाह मार्ग के दाएँ तट के लिए भी प्रमुख सचिव महोदय से चर्चा उपरांत कार्ययोजना स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ कराया जाएगा।

माँ नर्मदा हमारे लिए आस्था और जीवन दोनों का आधार हैं - कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया

समाधान योजना के प्रथम चरण की अवधि में एक माह का विस्तार

रायसेन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के प्रथम चरण की अवधि अब 31 जनवरी 2026 कर दी गई है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26 - एक नजर में

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ हो रहा है जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कुछ कम हो जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर 2025 से हुई जो कि 31 जनवरी 2026 तक चलेगी।

धान उपार्जन :- स्लॉट बुकिंग में किसानों को आने वाली किसानों समस्या का निराकरण करेंगे अधिकारी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय करने वाले पंजीकृत किसानों से जहाँ 9 जनवरी तक स्लॉट बुक करने का आग्रह किया गया है, वहीं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर किसानों की स्लॉट बुकिंग से संबधित समस्या का निराकरण करने खाद्य विभाग के छह अधिकारियों को तैनात किया गया है। किसान इन अधिकारियों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर जिला आपूर्ति नियंत्रक प्रमोद कुमार मिश्र के अनुसार स्लॉट बुक करने में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर तहसीलवार नियुक्त खाद्य विभाग के अधिकारियों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकेंगे। इन अधिकारियों में सहायक आपूर्ति अधिकारी राजधर साकेत को आधारताल तहसील का प्रभार किया गया है। किसान उनसे मोबाइल नम्बर 91319 80350 पर संपर्क कर स्लॉट बुकिंग से संबधित अपनी समस्या का निराकरण करा सकेंगे।

इसी प्रकार जबलपुर एवं पनागर तहसील के किसान प्रभारी सहायक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सीमा बौरसिया से मोबाइल नम्बर 94250 89671 पर, मझौली तहसील के किसान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार जाटव से मोबाइल नम्बर 98932 85666 पर, शहपुरा, राँझी एवं गोरखपुर तहसील के किसान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कुंजन सिंह से मोबाइल नम्बर 93021 74012 पर, पाटन एवं कुंडम तहसील के किसान

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती आभा शर्मा से मोबाइल नम्बर 93291 24556 पर तथा सिहोरा तहसील के किसान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सिद्धार्थ राय से मोबाइल नम्बर 95843 19092 पर संपर्क के स्लॉट बुकिंग से संबंधित अपनी समस्या का निराकरण करा सकेंगे।

इन अधिकारियों से समस्या का समाधान नहीं हो पाने की स्थिति में किसान जिला आपूर्ति नियंत्रक से उनके मोबाइल नम्बर 91798 23100 एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर रत्नेश साहू से मोबाइल नम्बर 93029 15970 पर संपर्क कर स्लॉट बुकिंग से संबंधित अपनी समस्या का समाधान करा सकेंगे। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने जिले के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान के विक्रय के लिये 9 जनवरी तक स्लॉट बुक कर लेने का अनुरोध किया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि धान उपार्जन नीति के क्रियान्वयन की मानक प्रक्रिया के अनुसार किसानों द्वारा अपनी उपज के विक्रय हेतु उपार्जन के अंतिम 10 दिवस को छोड़कर को स्लॉट बुक किये जा सकेंगे तथा बुक किये गये स्लॉट की वैधता अवधि सात कार्य दिवस होगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2025 **उज्जैन, दिनांक 02/01/26**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1 जीतेन्द्र सिंह पिता हुकम सिंह गुर्जर 2 आशु पति जीतेन्द्र गुर्जर द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 30/12/2025 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 11 महामंगल सिटी के पास नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी अशोक पिता ताराचंद बारोड आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 2716/2025-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक 1 जीतेन्द्र सिंह पिता हुकम सिंह गुर्जर 2 आशु पति जीतेन्द्र गुर्जर के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2025 **उज्जैन, दिनांक 02/01/26**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1 गोविन्द पिता बाबूलाल 2 धनकवर पति गोविन्द उसारिया द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 30/12/2025 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 09 महामंगल सिटी के पास नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी मेसर्स अशोक पिता ताराचंद बारोड आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 2715/2025-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक 1 गोविन्द पिता बाबूलाल 2 धनकवर पति गोविन्द उसारिया के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2025 **उज्जैन, दिनांक 02/01/26**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रगति पति राकेश जैन द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 29/12/2025 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 09 ई डब्ल्यू एस तिरूपति कासा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 2704/2025-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक प्रगति पति राकेश जैन के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2025 **उज्जैन, दिनांक 02/01/26**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1 अक्षय पिता महेन्द्र बोरलिया 2 वर्षा पति अक्षय बोरलिया द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 30/12/2025 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 10 महामंगल सिटी के पास नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी अशोक पिता ताराचंद बारोड आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 2717/2025-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक 1 अक्षय पिता महेन्द्र बोरलिया 2 वर्षा पति अक्षय बोरलिया के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2025 **उज्जैन, दिनांक 02/01/26**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कविता पति सुनील द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 30/12/2025 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 11 श्रीनाथ एवेन्यू कालोनी पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी मेसर्स श्री बिल्डर एंड डेव्हलपर्स 1 उदयकांत पिता जगदीश गुप्ता 2 राजेश पिता रामचन्द्र जी पालीवाल निवासी सेठीनगर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 2714/2025-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक कविता पति सुनील के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2025 **उज्जैन, दिनांक 02/01/26**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1 घनश्याम पिता प्यारेलाल 2 माया 3 सूरज द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 30/12/2025 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 65/1/5 कालिदास मार्ग उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी यशोदा बाई पति स्व प्यारेलाल आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 2718/2025-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक 1 घनश्याम पिता प्यारेलाल 2 माया 3 सूरज के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन

दिसम्बर माह के बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ कर्मचारियों को मिला सम्मान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रतिमाह के प्रथम कार्य दिवस पर कार्यालय परिसरों में राष्ट्गान, राष्ट्गीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में विधिवत रूप से सामूहिक गायन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कलेक्टर नेहा मीना ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि गत वर्ष जिस प्रकार पूरी प्रशासनिक टीम ने मेहनत, लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है, उसी भावना के साथ आगे भी कार्य करने का संकल्प लें। हम शासन द्वारा सौंपे गए सभी कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ पालन करेंगे। साथ ही जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहकर उन्हें सुनेंगे और अपने कार्यो के प्रति सदैव सजग एवं प्रतिबद्ध रहेंगे।

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा दिसम्बर माह के बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ के रूप में कलेक्टोरेट कार्यालय की भृत्य सन्नु डावर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र काकनवानी की नर्सिंग ऑफिसर विनीता निनामा को सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने दोनों कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सभी कर्मचारी इसी निष्ठा, समयबद्धता और ईमानदारी के साथ कार्य करते रहें। माह दिसम्बर में सन्नु डावर द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्धता एवं संस्था के दिए गए सभी कार्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से किया गया।

इसी प्रकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र काकनवानी की नर्सिंग ऑफिसर विनीता निनामा द्वारा दिसम्बर माह में संस्थागत प्रसव हेतु गर्भवती/प्रसूता महिला एवं शिशुओं के स्वास्थ्य में उत्कृष्ट कार्य किया गया एवं इसके साथ अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्धता एवं सभी कार्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से किया गया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। दोनों सम्मानित कर्मचारियों ने कलेक्टर नेहा मीना का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का कार्य करेगा और वे भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अवंधती प्रधान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव एवं उपचार की दी सलाह

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं एसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें।

निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। प्रशिक्षण में शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा द्वारा बच्चों में सांस की दर को गिनकर निमोनिया के लक्षणों की पहचान के संबंध में जानकारी दी गई।

बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है।

दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है।

5 वर्ष तक के बच्चों में सर्वाधिक मृत्यु का कारण निमोनिया है। निमोनिया से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण, छह माह तक सिर्फ स्तनपान और उसके बाद उचित पूरक आहार, विटामिन ए का सेवन, साबुन से हाथ धोना, घरेलू वायु प्रदूषण को कम करना आवश्यक है।

अवैध मदिरा के विरूद्ध की गई कार्रवाई

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन, विक्रय के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी श्री दीप सिंह राठौर ने बताया कि आबकारी विभाग के दल द्वारा सीहोर क्षेत्र के शिवसागर ढाबा, राजा ढाबा बडनगर, महाकाल ढाबा, अपना ढाबा, परमार ढाबा, नमकीन की दुकान बडनगर, राजपूत ढाबा, पिपलिया मीरा ढाबों पर दबिश दी गई और आबकारी अधिनियम के तहत 07 प्रकरण विधिवत कायम किए गए। टीम द्वारा लगभग 11 लीटर देशी/विदेशी मदिरा जब्त की गई। जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 5000 रूपये है। इसके साथ ही 07 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। यह कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक श्री माधव कुण्डल, सुश्री रिया जैन, आबकारी मुख्य आरक्षक विजय कुमार शर्मा, आबकारी आरक्षक श्रीमती प्रिय वंदना पांडे, प्रियंका यादव एवं नगर सैनिकों द्वारा की गई है।

शास्ति जमा न करने पर तीन खाद्य प्रतिष्ठानों के पंजीयन निलंबित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय आयुक्त खाद्य सुरक्षा नियंत्रक के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत दायर प्रकरणों में अधिरोपित शास्ति की राशि जमा न करने वाले खाद्य विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देशों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन झाबुआ द्वारा प्रकरणों की गहन स्क्रूटनी की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सह पंजीयन प्राधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा ने बताया कि स्क्रूटनी के उपरांत यह पाया गया कि अभी तक 03 खाद्य विक्रेताओं द्वारा अधिरोपित शास्ति की राशि जमा नहीं की गई है। इस स्थिति में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध पंजीयन निलंबन की कार्यवाही की गई है। इसके तहत आज 01 जनवरी 2026 को थांदला तहसील की माधव किराना, मेघनगर स्थित राधे दूध डेयरी एवं होटल रूद्र का खाद्य पंजीयन पंजीयन प्राधिकारी द्वारा अगामी आदेश तक निलंबित किया गया है।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि शास्ति की राशि जमा न करने की स्थिति में, नोटिस तामील के पश्चात संबंधित दुकानदार द्वारा व्यवसाय संचालन पूर्णतः बंद रखा जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सह पंजीयन प्राधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा ने बताया कि जिले में शेष सभी प्रकरणों की स्क्रूटनी की जा रही है। आगामी दिनों में भी यदि अन्य दुकानदारों द्वारा शास्ति जमा करने संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध भी पंजीयन निलंबन की कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने सभी खाद्य विक्रेताओं से अपील की है कि वे नियमानुसार शास्ति की राशि समय-सीमा में जमा कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें।

जिले में बढ़ाई जाएगी आधार केन्द्रों की संख्या

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक 29 दिसंबर 2025 को कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में 80 आधार केंद्र संचालित हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोकसेवा केंद्रों पर 18 प्लस अपडेशन अनुमति के लिए भोपाल को पत्र भेजे जाएं और 18 प्लस नए आधार नामांकन के लिए केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही सहकारी सोसाइटियों के आधार केन्द्रों के लिए आईरिस-फिंगर डिवाइस क्रय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी सोसाइटियों के 92 ऑपरेटर्स जिनके एलएमएस सर्टिफिकेट जनरेट हो चुकें हैं उन्हें आधार परीक्षा के लिए सोमवार तक स्लॉट बुक कराया जाए एवं शेष 36 ऑपरेटर्स की 10 दिन के भीतर एलएमएस सर्टिफिकेट परीक्षा पूर्ण कराई जाए। कलेक्टर सुश्री सुश्री मित्तल निर्देश दिए कि जनजातीय कार्य विभाग को जारी किट में से शेष किट की वापसी के लिए जनपद सीईओ, सीएससी मैनेजर एवं सहायक आयुक्त से समन्वय कर कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। इस दौरान डीईओ और डीपीसी को जन्मतिथि लिमिट क्रॉस के प्रकरणों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के आधार केन्द्रों की संख्या बढ़ाने के लिए डीईओ, डीपीसी एवं एसी ट्राईबल को स्कूलों में उपलब्ध कम्प्यूटर्स का प्रयोग कर आधार केन्द्र खोले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शिक्षण भवनों में न्यूनतम 15 आधार केन्द्र खोले जाएं। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के 17 आधार मशीनों को शीघ्र प्रारंभ करने एवं भीकनगांव एवं झिरन्या में 02 नवीन आधार केन्द्र खोले जाने के लिए विभाग से समन्वय कर स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, डीईजीएम श्री दीपक रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रोजेक्ट हनीफार्मिंग : कलेक्टर का नवाचार, किसानों के लिए मीठी आमदनी का सशक्त मॉडल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अभिनव पहल प्रोजेक्ट हनीफार्मिंग के तहत जिले में मधुमक्खी पालन को वैकल्पिक आय के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में 17 दिसम्बर 2025 को जिले के चयनित कृषकों का एक दल तीन दिवसीय भ्रमण एवं प्रशिक्षण हेतु नीमच जिले भेजा गया, जहां कृषकों ने मधुमक्खी पालन की वैज्ञानिक तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कलेक्टर की पहल पर उद्यानिकी विभाग के माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण के उपरांत कृषकों ने मधुमक्खी पालन प्रारंभ किया। जिले में कुल 16 मधुमक्खी बॉक्स के साथ हनी फार्मिंग की शुरुआत की गई है, जिसमें रामा क्षेत्र के तीन कृषकों को 12 बॉक्स, ग्राम टेमरिया में 2 बॉक्स तथा मोई वागेली में 2 बॉक्स प्रदान किए गए हैं। एक मधुमक्खी बॉक्स की लागत लगभग 6 हजार रुपये है। मधुमक्खी पालन प्रारंभ करने के उपरांत इस माह के अंत तक कृषक शहद प्राप्त कर सकेंगे।

इसी नवाचार के अंतर्गत पेटलावद तहसील के ग्राम टेमरिया में युवा कृषक श्री गोविन्द अंजना द्वारा भी दो मधुमक्खी बॉक्स प्राप्त कर मधुमक्खी पालन किया जा रहा है। कलेक्टर नेहा मीना ने आज उनके खेत का भ्रमण कर मधुमक्खी पालन की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा कृषक से संवाद कर अनुभव साझा किए।

कृषक श्री गोविन्द अंजना ने बताया कि वे पूर्व में जैविक रूप से गेहूं एवं अमरूद की खेती कर रहे थे। नीमच प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मधुमक्खी पालन की वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त हुई। प्रारंभ में मधुमक्खियों के काटने एवं संभावित नुकसान को लेकर आशंका थी, किंतु प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने आत्मविश्वास के साथ इस नवाचार को अपनाया।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि हनीफार्मिंग कम लागत में अधिक लाभ देने वाला नवाचार है। यह भूमि कम होने पर भी अपनाया जा सकता है जो सीमांत कृषकों के लिए महत्वपूर्ण पहलू है। इससे किसानों को शहद उत्पादन के साथ-साथ परागण के माध्यम से फसलों की उत्पादकता भी बढ़ती है। यह जैविक कृषि को प्रोत्साहन देता है और किसानों की आय में स्थायी वृद्धि का माध्यम बन सकता है। हमारा उद्देश्य है कि जिले के अधिक से अधिक कृषक इस नवाचार को अपनाकर आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने बताया कि हनी फार्मिंग न केवल अतिरिक्त आय का सशक्त साधन है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कलेक्टर ने अन्य कृषकों से भी इस नवाचार को अपनाने का आह्वान किया।

मधुमक्खी बॉक्स की स्थापना एवं प्रबंधन- टेमरिया में कृषक द्वारा प्रारंभ में दो मधुमक्खी बॉक्स स्थापित किए गए। प्रत्येक बॉक्स में रानी, नर एवं कामगार मधुमक्खियाँ होती हैं, जिनका सुव्यवस्थित प्रबंधन आवश्यक होता है। रानी मधुमक्खी द्वारा अंडे देने से पूरी कॉलोनी का संचालन होता है। प्रारंभिक अवस्था में नियमित निरीक्षण, मौसम प्रतिकूल होने पर शक्कर के घोल की व्यवस्था, स्वच्छता एवं रोग-कीट नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया। सही तकनीक अपनाने से मधुमक्खी पालन सरल, सुरक्षित एवं लाभकारी सिद्ध होता है।

यह नवाचार परियोजना झाबुआ जिले में कृषि के साथ सहायक आजीविका के रूप में हनी फार्मिंग को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग श्री बीएस चौहान, तहसीलदार पेटलावद श्री अनिल बघेल, नायब तहसीलदार सुश्री अंकिता भिड़े, उद्यानिकी विभाग श्री सुरेश इनवाती एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा कार्यालय में समीक्षा बैठक का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार कानुड़े की अध्यक्षता में 01 जनवरी को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्यालयीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित बैठक में श्री कानुड़े ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कार्य के प्रति तत्परता दिखाने कहा। सभी कर्मचारियों को अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने कहा।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री कानुड़े ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और सीएम हेल्पलाइन, जनप्रतिनिधियों के प्राप्त पत्रों, टीएल के लंबित प्रकरणों की शाखावार विस्तृत समीक्षा की। साथ ही छात्रवृत्ति वितरण, विभिन्न विभागीय योजनाओं, पेंशन प्रकरणों और विधि से संबंधित कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई।

वरिष्ठजनों के लिये उम्मीदों की किरण बना भरण-पोषण अधिनियम

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठजनों के लिये भरण-पोषण अधिनियम-2007 सहायक बन कर सामने आया है। जिस प्रकार उम्र बढ़ने पर सहारे के लिये लाठी की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार यह अधिनियम वरिष्ठजनों के लिये सहारे की लाठी बन कर उभरा है। अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों और अभिभावकों को समर्थन प्रदान करने वाली व्यवस्था की रचना करना है, जिससे वे एक विशेष ट्रिब्यूनल (अधिकरण) के समक्ष निर्धारित 90 दिन की समय-सीमा के अंदर भरण-पोषण के अधिकार को सुलभता और शीघ्रता से प्राप्त कर सकें।

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 प्रदेश में 23 अगस्त, 2008 से लागू है। इसमें वे अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक जो अपनी आय अथवा सम्पत्ति द्वारा होने वाली आय से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, अपने वयस्क बच्चों अथवा संबंधियों से भरण-पोषण प्राप्त करने के लिये आवेदन कर सकते हैं। भरण-पोषण में समुचित भोजन, आश्रय, वस्त्र, चिकित्सा एवं मनोरंजन सुविधाएँ शामिल हैं। भरण-पोषण ट्रिब्यूनल, वरिष्ठजनों का मासिक भरण-पोषण अधिकतम 10 हजार रूपये प्रतिमाह दिला सकता है। संतान वरिष्ठ परिजन की उपेक्षा अथवा परित्याग एक संज्ञेय अपराध है। इसके लिये पाँच हजार जुर्माना या तीन महीने की सजा या दोनों हो सकते हैं। अधिनियम में सहायता पाने के लिये वृद्धजन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष आवेदन कर सकते हैं।

कृषि में नवाचार की मिसाल बना चिया सीड्स, कलेक्टर ने किया खेत भ्रमण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि में नवाचार और विविधीकरण की दिशा में झाबुआ जिले के किसान नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को कलेक्टर नेहा मीना ने विकासखंड पेटलावद की ग्राम पंचायत तारखेड़ी अंतर्गत ग्राम गरवाखेड़ी में कृषक श्री राजेश पिता श्री भरत साजोदीया के खेत का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान कृषक श्री राजेश से चिया सीड्स (ब्लैक चिया) की खेती को लेकर सार्थक चर्चा की गई। कृषक द्वारा बताया गया कि उन्होंने लगभग तीन वर्ष पूर्व चिया सीड्स की खेती की शुरुआत की थी। बेहतर उत्पादन एवं मंडी में अनुकूल भाव मिलने से प्रेरित होकर इस वर्ष वे 12 बीघा क्षेत्र में चिया सीड्स की खेती कर रहे हैं। कलेक्टर ने चिया सीड्स की उन्नत कृषि तकनीकों पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसके लिए अनुकूल जलवायु, मिट्टी की उपयुक्तता, रोग एवं कीट प्रबंधन तथा उत्पादन गुणवत्ता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने चिया सीड्स के विपणन हेतु नीमच मंडी में विक्रय करने की सलाह देते हुए कृषक को भविष्य में अधिक क्षेत्र में इस फसल का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग को निर्देश दिए कि जिले में रबी मौसम के दौरान चिया सीड (ब्लैक चिया) की खेती के लिए उपयुक्त क्षेत्रों का चयन कर अधिक से अधिक कृषकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उद्यानिकी विभाग को बीज दर, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, फर्टिगेशन तथा सिंचाई प्रबंधन संबंधी तकनीकी जानकारी कृषकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में झाबुआ जिले में लगभग 64 हेक्टेयर क्षेत्र में चिया सीड्स की खेती की जा रही है, जो जिले में उन्नत कृषि और किसानों की बढ़ती आय की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, उद्यानिकी विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

तृतीय, चतुर्थ एवं पाँचवा निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं.	प्रपत्र का प्रकार	कठ्र्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2025_UAD_426098_3	2.10	वार्ड क्रं. 27 में विभिन्न स्थानों पर इनवेल मशीन द्वारा बोरिंग खनन कार्य।	250795/-	5015/-	2000/-	01 माह	20.01.2026	20.01.2026
2025_UAD_426144_3	2.10	वार्ड क्रं. 49 में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन एवं सिंगल फेज मोटर पंप सेट मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	338343/-	6770/-	2000/-	01 माह	20.01.2026	20.01.2026
2025_UAD_440461_3	2.10	वार्ड क्रं. 49 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर एफ.डी.आर मशीन द्वारा बोरिगा खनन एवं सिंगल फेज 2 हा.पा. मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री के स्थापना कार्य।	412393/-	8250/-	2000/-	01 माह	20.01.2026	20.01.2026
2025_UAD_447800_4	2.10	वार्ड क्रं. 18 अंतर्गत विभिन्न 5 स्थानों पर एफ.डी. आर. मशीन बोरिंग खनन कर हेण्डपंप स्थापना कार्य।	874783/-	17500/-	1000/-	02 माह	20.01.2026	20.01.2026
2024_UAD_368504_5	2.10	वार्ड क्रं. 31 के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 150 एम.एम. खनन एवं 125/115 एम.एम. बोरिंग खनन कार्य।	506991/-	10140/-	2000/-	02 माह	20.01.2026	20.01.2026
2024_UAD_388143_5	2.10	वार्ड क्रं. 30 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर इनवेल मशीन द्वारा बोरिंग खनन कार्य।	364438/-	7290/-	2000/-	01 माह	20.01.2026	20.01.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

नववर्ष की पहली भस्म आरती, 10 हजार से अधिक भक्तों ने किए महाकाल के निराकार स्वरूप के दर्शन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी हुई शामिल- सुबह देर शाम तक साढ़े 4 लाख के पार पहुंचा आंकड़ा -दिन भर लगी रही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज से अंग्रेजी नया साल 2026 शुरु हो चुका है और इस दिन की महाकाल दर्शन के साथ शुरुआत करने के लिए देश तथा दुनिया से लाखों लोग उज्जैन पहुंच रहे हैं। आज तडक़े हुई नये साल की पहली भस्मारती में 10 हजार से अधिक भक्तों ने चलते-चलते भगवान महाकाल के निराकार स्वरूप के दर्शन किए। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्यों ने भी नंदी हाल में बैठकर भस्म आरती की। सुबह 9 बजे तक डेढ़ लाख से अधिक लोग महाकाल दर्शन कर चुके थे और देर शाम तक यहां आंकड़ा चार लाख से ऊपर पहुंच गया था। नए वर्ष में महाकाल के भक्त सुबह से शाम तक कतार में लगे नजर आ रहे थे।

गुरुवार सुबह नए साल 2026 की शुरुआत करने भगवान महाकाल के आंगन में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ गया। उज्जैन में श्रद्धालु भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं। महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए थे। सुबह महाकालेश्वर मंदिर में नववर्ष पर श्रद्धालुओ ने हर साल की तरह भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। नववर्ष में तडक़े चार बजे आरंभ हुई पहली भस्मारती में 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने चलते-चलते भगवान महाकाल के निराकार स्वरूप के दर्शन किए और खुद को धन्य किया। इस मौके पर देश विदेश से भारी संख्या श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। भस्म आरती के दौरान देखते ही देखते श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही थी, लेकिन मंदिर प्रबंध समिति ने पहले ही व्यवस्था के ऐसे इंतजाम किए थे कि श्रद्धालुओ को बाबा महाकाल के आसानी से दर्शन हुए और भक्तों ने यह दर्शन कर देश समाज और परिवार में सुख शांति की प्रार्थना की। गुरुवार सुबह बिहार सरकार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल भी परिवार के साथ महाकाल के दर्शन करने पहुंचे। रात तक यहां आंकड़ा साढ़े 4 लाख से अधिक पहुंच गया था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महाकाल के दरबार में की नववर्ष की शुरुआत- नववर्ष 2026 की शुरुआत भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाडियों ने आध्यात्मिक माहौल में की। टीम की प्रमुख खिलाड़ी स्मृति मंधाना, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, राधा यादव, शेफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर सहित अन्य सदस्यों ने आज गुरुवार तडक़े ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दरबार में पहुंचकर प्रातःकालीन भस्म आरती में सहभागिता की और भगवान महाकाल का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर भक्ति और श्रद्धा से सराबोर रहा। खिलाडियों ने विधि-विधान से भगवान महाकाल का पूजन कर देश और टीम की सफलता की कामना की। मंदिर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं और भक्तों की भी विशेष उपस्थिति रही। दर्शन उपरांत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाडियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया तथा उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से खिलाडियों के उज्ज्वल भविष्य और खेल जगत में निरंतर सफलता की कामना की गई।

शहर के अन्य देव स्थानों पर भी भीड़, चामुण्डा का दरबार सजा- गुरुवार सुबह नए साल के पहले दिन महाकाल मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों में श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े।

चामुण्डा माता रानी का दरबार बर्फ की गुफा के रूप में सजाया गया है। सुबह भक्त बडी संख्या में चिंतामण गणेश और कालभैरव मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचे। नववर्ष की शुरुआत गुरुवार से होने के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु चिंतामण गणेश मंदिर पहुंचे। इसके अलावा काल भैरव, हरसिध्दि मंदिर सहित सभी देव स्थानों पर भक्तों की भीड़ नजर आ रही थी।

नए साल पर रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे श्रद्धालु- महाकालेश्वर मंदिर में नववर्ष पर सुबह 4 बजे से 9 बजे तक डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिए थे। महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि इसके बाद भी लगातार 1 लाख से अधिक श्रध्दालु दर्शन के लिए कतार में नजर आ रहे थे।

शाम 4 बजे तक यह आंकड़ा 4 लाख से अधिक पहुंच गया था और देर रात तक लगभग साढ़े 4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं नए महाकाल के दर्शन कर लिए थे। भीड़ को देखते हुए महाकालेश्वर मंदिर समिति और जिला प्रशासन ने बड़े पैमाने पर तैयारी की थी। महाकाल लोक निर्माण के बाद पहले ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ चुकी है।

जहरीला पदार्थ खाने वाले पुजारी की हुई मौत

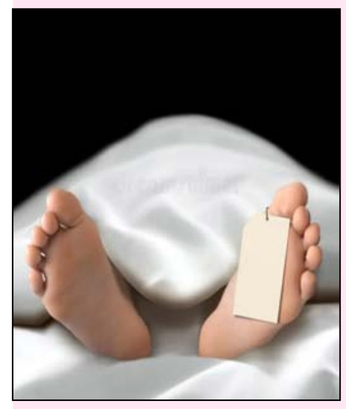

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांव में बने मंदिर के पुजारी ने जहर खा लिया हालत बिगड़ने पर भानेज को फोन लगाया। पुजारी को अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई।

ग्राम नरसली में रहने वाला राकेश पिता सिद्धनाथ बैरागी गांव में ही राम मंदिर का पुजारी था। बुधवार दोपहर वह घर से तराना आया था। शाम को उसने अपनी भानेज अंजू को मोबाइल पर कॉल किया और जहर खाने की जानकारी दी। परिवार तराना पहुंचा राकेश बेसुध हालत में मिला। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उज्जैन रेफर कर दिया गया। चरक अस्पताल लाने पर रात में राकेश की मौत हो गई। गुरुवार सुबह कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों का कहना था कि राकेश ने जहर क्यों खाया इसकी वजह पता नहीं है। घर में कोई वाद विवाद भी नहीं था ना ही किसी से लेनदेन था। कोतवाली पुलिस मामले की जांच संबंधित थाना पुलिस को सौपेगी।

दुर्घटना में घायल की नहीं बची जान- तराना के ग्राम खाखरी सुल्तान में रहने वाला ओमप्रकाश पिता रमेश चंद्र चौहान 37 वर्ष 20 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। परिजन उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए थे ओमप्रकाश का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा था जहां रात में उसकी मौत हो गई। आज सुबह पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि ओमप्रकाश दो बच्चों का पिता था और मजदूरी करता था। दुर्घटना वाले दिन माली खेड़ा गया था जहां से लौटते समय उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी।

हरसिद्धि पाल के पास होटल में ठहरे थे पांच बदमाश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में तीन स्थानों पर कारो के कांच फोड़कर बैग चुराने वाले बदमाश तमिलनाडु से आए थे जिनका सुराग कैमरो की मदद से मिला है। बदमाश काफी शातिर थे। उन्होंने होटल में कमरा भी बुक कराया था। पुलिस होटल संचालक से पूछताछ कर रही है। नानाखेड़ा थाना क्षेत्र में ट्रेजर बाजार के सामने खड़ी प्रॉपर्टी ब्रोकर की कार का कांच फोड़कर बदमाशों ने 30 लाख से भरा बैग चोरी कर लिया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी और सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे थे। इस बीच पता चला था कि बदमाशों ने माधव नगर और महाकाल थाने में भी कारो के कांच फोड़ कर बैग चोरी किए हैं। फुटेज के आधार पर पुलिस आगे बढ़ी तो सामने आया कि बदमाश महाकाल थाना क्षेत्र के हरसिद्धि पाल स्थित मंगलम होटल में ठहरे थे। पुलिस होटल पहुंची और जांच शुरू की तो सामने आया कि बदमाशों ने कमरा बुक करने के दौरान अपना मोबाइल नंबर भी गलत बताया था और तमिलनाडु की दी गई आईडी भी उन्होंने होटल रिकॉर्ड से चोरी कर ली थी। होटल में लगे कैमरे से इस बात की पुष्टि हुई है। लेकिन होटल संचालक विजय ने अपने यहां ठहरे यात्रियों की सूचना पुलिस को नहीं दी थी जिसके चलते नानाखेड़ा थाना पुलिस संचालक को पूछताछ के लिए अपने साथ थाने ले गई है। नानाखेड़ा पर हुई वारदात के बाद फुटेज सामने आते ही पुलिस ने आशंका जताई थी कि बदमाश बाहरी हो सकते हैं जो जांच में तमिलनाडु के होना सामने आए हैं। पुलिस अब इस बात का पता लग रही है कि होटल से निकलने के बाद बदमाश किस रास्ते पर गए हैं।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने किया चामुंडा माता स्थित पीएचई कार्यालय का निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा चामुंडा माता स्थित पीएचई कार्यालय एवं कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने पहुंचे जहां आयुक्त द्वारा रिकॉर्ड रूम को व्यवस्थित करने, उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रिकॉर्ड रूम को भूतल पर संचालित करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण पीएचई कार्यालय का निरीक्षण करते हुए कार्यरत कर्मचारियों से कार्य की जानकारी ली गई, जलकर के रिकॉर्ड एवं उपभोक्ताओं की जानकारी को कंप्यूटर सिस्टम पर दर्ज करने, कार्यालय में साफ सफाई रखने एवं जो उपभोक्ता कार्यालय में आते हैं उनसे व्यवहारिक चर्चा करते हुए संबंधित जानकारी देने के निर्देश दिए गए आयुक्त द्वारा नल कनेक्शन के दौरान लगाए जाने वाले मीटर की भी जांच की गई कि मीटर सही से कार्य कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान कंट्रोल रूम प्रभारी श्री प्रहलाद मेहर उपस्थित रहे।

पेयजल सप्लाई हेतु शहर में स्थापित टंकियां की सफाई का कार्य निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर प्रारंभ किया गया है जिसके क्रम में गुरुवार को सुभाष नगर पानी की टंकी, चकोर पार्क, लक्ष्मी नगर, मिर्ची नाला, भैरवगढ़ क्षेत्र, रविशंकर नगर इत्यादि क्षेत्रों में पेयजल टंकियों की सफाई का कार्य पीएचई विभाग द्वारा प्रारंभ किया गया है जिसमें कर्मचारियों द्वारा टंकी के अंदर उतरते हुए सफाई की गई एवं ब्लीचिंग पाउडर, केमिकल द्वारा प्रेशर के माध्यम से टंकियों की सफाई का कार्य किया गया।

नए साल में वायु प्रदूषण का स्तर 317 एक्यूआई तक पहुंचा

बीती रात 2 बजे की स्थिति - सुबह 10 बजे 188 एक्यूआई पर था

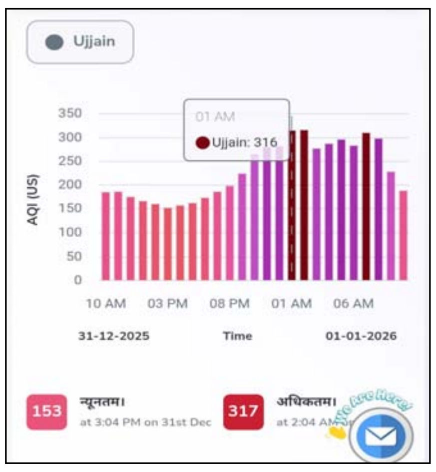

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले चार-पांच दिनों से शहर में लाखों लोगों की भीड़ आ रही है। इसी के साथ शहर की प्राण वायु का स्तर भी खतरनाक हो गया है और नए साल में बीती रात 2 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 317 एक्यूआई तक पहुंच गया था। आज सुबह भी यह 188 एक्यूआई पर था। विशेषज्ञों का कहना है कि बीती रात उज्जैन की हवा मानक स्तर से 6 गुना अधिक खराब हो गई थी।

नववर्ष 2026 की शुरुआत शहर के लिए चिंता लेकर आई है। बीते चार-पांच दिनों से उज्जैन में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमडने़ के कारण वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है। नए साल की पहली रात रात 2 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 317 एक्यूआई दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। हालांकि गुरुवार सुबह कुछ राहत जरूर मिली और सुबह 10 बजे एक्यूआई घटकर 188 पर पहुंच गया, लेकिन यह स्तर भी स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार बीती रात शहर की हवा मानक स्तर से करीब छह गुना अधिक प्रदूषित हो गई थी।

भीड़, वाहन और धूल बने प्रदूषण की वजह - विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में लगातार बढ़ रही भीड़, वाहनों की संख्या में इजाफा, आतिशबाजी के अवशेष और सडक़ों पर उड़ती धूल वायु प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। देर रात तक यातायात और गतिविधियां जारी रहने से प्रदूषक तत्व वातावरण में लंबे समय तक बने रहे। डॉक्टरों के अनुसार इस स्तर का प्रदूषण बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द और खांसी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में लोगों को अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और मास्क का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

एक नजर गुणवत्ता के उतार-चढ़ाव पर

-रात 2 बजे 317 एक्यूआई
-सुबह 10 बजे188 एक्यूआई
-मानक से 6 गुना अधिक प्रदूषित रही हवा
-भीड़ और वाहनों से बढ़ा प्रदूषण

प्रतिबंधित डोर से उड़ रही पतंग, फिर कटा युवक का गला, दिसंबर माह में आधा दर्जन हादसे, लोगों में नहीं पुलिस का ख़ौफ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिबंधित चाइना डोर ने फिर बाइक सवार का गला रेत दिया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है, घाव गले की हड्डी तक होना सामने आया है। वह बोल पाने की स्थिति में नहीं है। डॉक्टर उसकी हालत पर निगरानी रख रहे है।

नीलगंगा क्षेत्र की राजीव रत्न मल्टी में रहने वाला प्रेम पिता तिलक महाकाल मंदिर के पास फूल प्रसादी की दुकान संचालित करता है। दोपहर को बाइक से दुकान जाने के लिये निकला था। जयसिंहपुरा माली मंदिर के सामने से गुजरते वक्त अचानक चाइना डोर उसके गले पर आ गई। डोर से गला बुरी तरह कट गया। प्रेम लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने उसे संभाला और तत्काल चरक अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख ऑपरेशन थियेटर में भेजा। जहां ईएनटी डॉ. अंशु वर्मा ने उसकी सर्जरी शुरू की। घाव गले की हड्डी तक हुआ था, जिसके चलते तीन लेअर में सर्जरी करते हुए करीब 10 टांके लगाये। डॉ. अंशु वर्मा के अनुसार युवक की हालत गंभीर है, वह बोल नहीं पा रहा है। चाइना डोर से गला कटने की खबर महाकाल थाना पुलिस को मिली तो एएसआई लाखनसिंह अस्पताल पहुंचे। घायल बोल नहीं पा रहा था, परिजनों से घटना की जानकारी ली गई। वर्ष 2022 में खूनी डोर साबित हो चुकी चाइना पर लगातार मकर संक्रांति से पहले प्रतिबंध लगाया जा रहा है। पुलिस तलाशी अभियान के साथ छतों पर सर्चिंग करने के साथ दूरबीन से नजर रख रही है। बावजूद चाइना डोर से पतंगबाजी करने वाले जान के दुश्मन नहीं मान रहे है। उनमें पुलिस का खौफ दिखाई नहीं दे रहा है। दिसंबर माह में चार बड़ी घटना सामने आ चुकी है। पहली घटना घासमंडी पाटीदार ब्रिज पर हुई थी। दूसरी और तीसरी आगररोड पर सामने आ चुकी है। वहीं अब जयसिंहपुरा में चाइना ने युवक का गला रेता है। एक घटना हरिफाटक ब्रिज पर सामने आई थी जिसके स्कूटी सवार महिला बाल-बाल बच गई थी। लेकिन पिछली चार घटनाओं में सभी युवको का गले में टांके लगाकर उपचार करना पड़ा है।

48 हजार से अधिक मतदाताओं के दस्तावेज का होगा सत्यापन

बीएलओ घर जाकर नोटिस और दस्तावेजों की जानकारी देंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) के दौरान जिनकी पत्नियों और उनके स्वजनों का रिकॉर्ड 2003 की मतदाता सूची में मिल गया था, लेकिन दोनों के भाईयों व स्वजनों का रिकॉर्ड नहीं मिला है। ऐसे में अब उन्हें अपनी नागरिकता का प्रमाण पेश करना होगा, जिसके लिए निर्वाचन शाखा नोटिस दिया जाएगा।

एसआइआर के तहत ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के दस दिन बाद अब नो मैपिंग श्रेणी में रखे गए मतदाताओं की सुनवाई होगी। पाँच जनवरी से जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के 48,035 मतदाताओं की सुनवाई की जाएगी। 48,035 ऐसे मतदाता जिनका और उनके माता-पिता का नाम वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज नहीं मिलने के कारण उन्हें नो मैपिंग कैटेगरी में रखा गया है। इन मतदाताओं से अब दस्तावेज लेकर सत्यापन किया जाएगा। नियमों के मुताबिक 23 दिसंबर से ही नोटिस जारी कर सुनवाई शुरू हो जानी थी, लेकिन जिला निर्वाचन कार्यालय को आयोग से प्रोफार्मा समय पर नाहीं मिलने के कारण नोटिस जारी करने में देरी हो गई। नोटिस तामीली को जिम्मेदारी बीएलओ को सौंपी गई है। बीएलओ नो मैपिंग मतदाताओं के पर जाकर नोटिस देंगे और यह भी बताएंगे कि उम्र के अनुसार कौन कौन से दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इनकी सुनवाई विधानसभा क्षेत्र के एसडीएम, तहसील न्यायालय, नगर निगम के वार्ड कार्यालयों में अधिकारी की मौजूदगी में होगी। विधानसभा क्षेत्र के लिए एसडीएम को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) नियुक्त किया गया है। इधर, बड़ी संख्या में नाम कटने के बाद फार्म-6 और फार्म-3 की माँग अचानक बढ़ गई है। कई मतदान केंद्रों पर इन फार्मों की कमी के कारण लोगों को वापस लौटना पड़ रहा है।

नए साल का जश्न मनाते 50 से ज्यादा शराबियों को पुलिस ने पकड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 31 दिसंबर को देर रात पुलिस ने सख्ती की और विभिन्न थाना क्षेत्र में 50 से अधिक लोगों को पकड़ा था एवं रातभर उन्हें थाने में रखा। कई लोग शराब पीकर बाईक पर बैठकर फर्राटा गाड़ी चला रहे थे उन पर भी कार्रवाई हुई है। पुलिस आज भी चैकिंग अभियान चला रही है। नये वर्ष की पूर्व संध्या 31 दिसंबर पर अधिकांश लोग जश्न मनाते हैं और शराबखोरी करने वाले भी जमकर शराब का सेवन करते हैं। देर रात तक शराबखोरी करने वालों की धरपकड़ करने के लिए पुलिस टीमें विभिन्न स्थानों पर रवाना हुई और ढाबों, रेस्टोरेंटों और अन्य जगहों पर तलाशी ली जहाँ से 50 से ज्यादा लोगों को देर रात तक शराबखोरी करते पकड़ा गया और लॉकअप में भिजवाया गया। इसी तरह पुलिस ने वाहन पर सवार तीन लोगों की भी धरपकड़ की गई और 35 से ज्यादा लोगों को पकड़ा गया। रातभर लॉकअप में रखने के बाद आज सुबह सभी को छोड़ा गया। पुलिस के अनुसार कई लोग खुले और सूने स्थानों पर शराबखोरी करते पकड़े गए थे। तलाशी अभियान पुलिस ने सुबह 4 बजे तक चलाए रखा और सभी जगह सख्ती से चैकिंग की गई।

समाजसेवी निशान यादव का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए साल के पहले दिन रोहित मित्तल मंडल द्वारा रिंग रोड स्थित तिलकेश्वर गौशाला में समाजसेवी निशान यादव का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के बड़े भाई एवं समाजसेवी नारायण यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और उपस्थितजनों ने निशान यादव को शुभकामनाएं दीं।

घर बैठे रजिस्ट्री के दावे धरातल पर फेल, ओटीपी- सर्वर बनी बड़ी बाधा

उज्जैन में ऑनलाइन रजिस्ट्री में 3-4 घंटे लग रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंजीयन और नामांतरण प्रक्रिया को सुरक्षित, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 10 अक्टूबर 2024 को शुरू किया गया संपदा 2.0 पोर्टल विभागीय अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पा रहा है। सरकार की मंशा थी कि लोग देशङ्कविदेश में कहीं से भी घर बैठे जमीन की रजिस्ट्री करा सकें, लेकिन हकीकत यह है कि ऑनलाइन पंजीयन में तीन से चार घंटे तक का समय लग रहा है। तकनीकी खामियों के चलते आम नागरिकों की परेशानी बढ़ गई है।

सबसे बड़ी समस्या ओटीपी सत्यापन को लेकर सामने आ रही है। कभी संपदा 2.0 का सर्वर डाउन हो जाता है तो कभी यूआईडीएआई (आधार) सर्वर की धीमी गति के कारण ओटीपी समय पर नहीं पहुंचता। नतीजतन, ऑनलाइन रजिस्ट्री की प्रक्रिया बार-बार अटक जाती है। यही कारण है कि लोग इसे झंझट भरा मानते हुए फिर से रजिस्ट्रार कार्यालय जाकर पंजीयन कराना ज्यादा आसान समझने लगे हैं।

जियो टैगिंग बनी नई चुनौती- ऑनलाइन पंजीयन के लिए संपत्ति की जियो टैगिंग अनिवार्य है, लेकिन कई मामलों में फेंसिंग सीमा और राजस्व सीमा अलग-अलग होने से जमीन की लोकेशन दूसरे क्षेत्र में दर्शित हो जाती है। ऐसी स्थिति में पंजीयन कार्यालय से मैन्युअल सुधार कराना पड़ता है, जिससे प्रक्रिया और लंबी हो जाती है।

पुराने रिकॉर्ड हटने से बढ़ी दिक्कत- संपदा 2.0 में मिसल बंदोबस्त का रिकॉर्ड हटा दिया गया है। पहले 1959 तक का रिकॉर्ड उपलब्ध होने से यह पता चल जाता था कि जमीन पहले किसके नाम पर थी, लेकिन अब पटवारियों को यह जानकारी जुटाने में भारी परेशानी हो रही है। खसरा और अन्य दस्तावेजों के सत्यापन में समय लगने से पंजीयन और नामांतरण दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

नामांतरण में ये प्रमुख परेशानियां- एक ही खसरा नंबर के अलग-अलग हिस्सों के सभी भूमि मालिकों को ओटीपी भेजकर सहमति ली जाती है, भले ही खरीदी सिर्फ एक हिस्से की हो।

सभी सह-स्वामियों को खोज पाना कई मामलों में चुनौती बन रहा है।

नामांतरण में पटवारी की रिपोर्ट में कई बार अनआइडेंटिफाइड एरिया दर्शा दिया जाता है, जिससे प्रकरण लंबित हो जाता है।

पहले रजिस्ट्री होते ही पटवारी को सूचना मिल जाती थी, अब सूचना समय पर न मिलने से फाइलें कई दिनों तक अटकी रहती हैं।

ई-केवायसी और आधार लिंकिंग भी बाधा- जमीन के डायवर्जन के दौरान चालान बनाने के लिए ई-केवायसी जरूरी है, लेकिन आधार और आईडी लिंक न होने से प्रक्रिया रुक जाती है। कई आवेदकों को बार-बार सिस्टम में प्रयास करने पड़ रहे हैं।

अधिकारियों के तर्क- सर्वर से जुड़ी समस्या आधार प्रणाली से संबंधित है, जिस पर एमपी इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम काम कर रहा है।

-जियो टैगिंग और जियो फेंसिंग की जानकारी विभिन्न विभागों से आती है—गांवों की सीमा राजस्व विभाग से और शहरी सीमा नगरीय प्रशासन विभाग से।

-जियो फेंसिंग को लगातार अपडेट किया जा रहा है, जिससे शुरुआती दौर में दिक्कतें आ रही हैं।

संपदा 2.0 -दावे बनाम हकीकत

दावा
घर बैठे देश- विदेश से रजिस्ट्री
तेज और पारदर्शी पंजीयन
-नामांतरण में समय की बचत

हकीकत
3- 4 घंटे में भी पूरी नहीं हो पा रही रजिस्ट्री
ओटीपी और सर्वर की बार-बार समस्या
जियो टैगिंग, रिकॉर्ड और रिपोर्ट के कारण लंबित प्रकरण